Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 113 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, बुधवार 11 मार्च 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

थलापति विजय की फिर बढ़ीं मुश्किलें, करूर भगदड़ कांड में सीबीआई का बड़ा एक्शन; दिल्ली मुख्यालय में होगी पूछताछ

मुंबई । तमिलनाडु के करूर में हुए दर्दनाक भगदड़ मामले में जांच की आंच एक बार फिर साउथ के सुपरस्टार और राजनीतिक दल 'तमिलगा वेट्री कजगम' (टीवीके) के प्रमुख थलापति विजय तक पहुंच गई है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कड़ा कदम उठाते हुए विजय को दोबारा पूछताछ के लिए समन भेजा है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने उन्हें आगामी 15 मार्च को दिल्ली स्थित मुख्यालय में पेश होने का सख्त निर्देश दिया है। इसके साथ ही करूर के विधायक वी. सेंथिल बालाजी को भी 17 मार्च को पूछताछ के लिए तलब किया गया है, जिससे राज्य के सियासी हलकों में हड़कंप मच गया है। सीबीआई का मानना है कि इस संवेदनशील मामले की कई अनसुलझी और अहम कड़ियों को जोड़ने के लिए इन दोनों नेताओं से आमने-सामने की पूछताछ बेहद जरूरी है। इससे पहले इसी साल जनवरी के महीने में भी थलापति विजय सीबीआई के सामने दो बार पेश हो चुके हैं। उस दौरान जांच अधिकारियों ने उनसे कई घंटों तक रैली के आयोजन, भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर तीखे सवाल पूछे थे। अब जांच के दौरान कुछ नए और अहम तथ्य सामने आने के बाद एजेंसी ने इन जानकारियों को पुख्ता करने के लिए उन्हें दोबारा दिल्ली तलब किया है।

इस पूरे घटनाक्रम में करूर के विधायक वी. सेंथिल बालाजी की भूमिका भी जांच के घेरे में है। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, एजेंसी विधायक से कार्यक्रम के आयोजन और स्थानीय प्रशासनिक तैयारियों को लेकर गहन पूछताछ करने वाली है। जांच टीम मुख्य रूप से यह समझना चाहती है कि इतनी बड़ी राजनीतिक रैली के आयोजन में स्थानीय स्तर पर किन-किन लोगों की अहम भूमिका थी और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किस तरह के फैसले लिए गए थे, जिनमें भारी चूक हुई। इसी वजह से उन्हें 17 मार्च को दिल्ली मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है।

गुजरात में शराब माफियाओं पर बड़ा एक्शन, 1.2 करोड़ रुपए की विदेशी शराब पर चला बुलडोजर

खेड़ा । गुजरात के खेड़ा में पुलिस ने शराब माफियाओं की कमर तोड़ने के लिए बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने नडियाद में ऑपरेशन बुलडोजर चलाया है और 1 करोड़ 21 लाख रुपए की विदेशी शराब पर बुलडोजर चला दिया है। कोर्ट के आदेशानुसार और पुलिस की मौजूदगी में विभिन्न ब्रांडों की 42 हजार से अधिक शराब की बोतलों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें नष्ट किया गया है। यह कार्रवाई नडियाद पीज चौकड़ी के पास की गई है। पुलिस को मिली गुप्त सूचनाओं के आधार पर की गई रेड में यह शराब जब्त की गई थी। नडियाद डिवीजन के तहत आने वाले पांच पुलिस थानों– नडियाद रूरल, नडियाद पश्चिम, चकलासी, वसो और वड़ताल–के विभिन्न मामलों में पकड़ी गई शराब का निपटान किया गया।

गौरतलब है कि गुजरात में शराब बैन है, उसके बावजूद इतनी मात्रा में शराब का नष्ट किया जाना चर्चा का विषय बना हुआ है। आखिर इतनी बड़ी मात्रा में शराब की खेप कहां आई थी या इसके पीछे कौन लोग हैं, उसके बारे में जांच जारी है।

सीमा पार से नशा तस्करी पर प्रहार, 9 किलो हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर । पंजाह में सीमा पार से हो रही नशा तस्करी के खिलाफ पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर की टीम ने एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 9 किलो हेरोइन बरामद की है। जानकारी के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर की टीम ने संदिग्ध तस्कर को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके पास से भारी मात्रा में हेरोइन बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। इस बरामदगी को सीमा पार से संचालित नशा तस्करी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि गिरफ्तार आरोपी का संपर्क पाकिस्तान में बैठे एक ड्रग तस्कर से था। आरोपी पाकिस्तानी हैंडलर्स के निर्देश पर पंजाब में नशीले पदार्थों की खेप को आगे सप्लाई करने का काम कर रहा था। पुलिस को आशंका है कि यह नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित हो रहा है और इसमें कई अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं।

इस संबंध में राज्य विशेष ऑपरेशन सेल अमृतसर के पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को खंगालने में जुट गई है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस तस्करी में किन-किन लोगों की भूमिका है और नशे की यह खेप कहां-कहां पहुंचाई जानी थी।

एरर-फ्री पॉलिसी बनाए; साइड इफेक्ट्स की जांच के लिए एक्सपर्ट पैनल की जरूरत नहीं

सरकार कोविड वैक्सीन से नुकसान का मुआवजा दे-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को कोविड वैक्सीनेशन से जुड़ी याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स का मुआवजा दे। इसके लिए वह नो-फॉल्ट कंपनसेशन पॉलिसी बनाए।

नो-फॉल्ट कम्पनसेशन पॉलिसी का मतलब है कि अगर किसी व्यक्ति को दवा या वैक्सीन से नुकसान हो जाए, तो उसे मुआवजा मिल सकता है, भले ही इसमें किसी की गलती साबित न हुई हो।

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने यह भी कहा कि वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स की मॉनिटरिंग के लिए मौजूदा सिस्टम जारी रहेगा। इसके लिए अलग से एक्सपर्ट पैनल बनाने की जरूरत नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने रचना गंगू और वेणुगोपालन गोविंदन की 2021 में दायर याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी बेटियों की मौत कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स के कारण हुई थी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की बड़ी बातें

वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स से जुड़े आंकड़े समय-समय पर पब्लिक डोमेन में रखा जाएगा।

इस फैसले का मतलब यह नहीं होगा कि व्यक्ति दूसरे कानूनी उपायों का सहारा नहीं ले सकता। मुआवजा नीति का यह मतलब नहीं होगा कि सरकार या किसी दूसरी अथॉरिटी ने अपनी गलती मान ली है।

पिछले साल 13 नवंबर को इन याचिकाओं पर लंबी बहस हुई थी। इसके बाद जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा था कि कोर्ट के साथ-साथ दूसरे मुद्दों पर भी फैसला करेगा। जस्टिस नाथ ने आदेश सुरक्षित रखते हुए कहा था-हम तय करेंगे कि समिति का गठन किया जाना है या नहीं, क्या निर्देश जारी किए जाने हैं। हम हर चीज की बारीकी से जांच करेंगे।

इससे पहले सरकार ने केरल हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश के खिलाफयाचिका लगाई थी, जिसमें सईदा के.ए.की याचिका पर मुआवजे की नीति तैयार करने का आदेश दिया गया था।

2022 में सरकार ने जवाबी हलफनामे में तर्क दिया था कि वह मुआवजे के लिए उत्तरदायी नहीं है क्योंकि वैक्सीन अपनी मर्जी से लगवाई जाती है। यह लोगों का जोखिम जानने के बावजूद लिया गया फैसला होता है।

यूसीसी लागू करने का समय आ गया-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि देश में समान नागरिक संहिता (ष्टष्ट) लागू करने का समय आ गया है। इस पर फैसला करना कोर्ट के बजाय संसद का काम है। कोर्ट शरियत कानून 1937 की कुछ धाराओं को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इन धाराओं से मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभाव का आरोप था।

जेसीआई सूर्यकांत,जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा- शरियत कानून की धाराएं रद्द कर दी गईं तो मुस्लिम समुदाय में संपत्ति के बंटवारे को लेकर कोई स्पष्ट कानून नहीं बचेगा। इससे कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट पहले भी कई बार सरकार से समान नागरिक संहिता लागू करने को कह चुका है। अलग-अलग समुदायों के लिए अलग नियम हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम सीधे किसी कानून को असंवैधानिक घोषित कर दें।

जस्टिस बागची: याचिका में भेदभाव का मुद्दा मजबूत है, लेकिन यह बेहतर होगा कि इस मामले को संसद (विधायिका) पर छोड़ दिया जाए, क्योंकि वही समान नागरिक संहिता बना सकती है।

गृह मंत्रालय ने लुक आउट सर्कुलर जारी करने के नियम में किया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने लुक आउट सर्कुलर जारी करने के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग और राष्ट्रीय कंपनी कानून अधिकरण (जैसे वैधानिक निकाय सीधे ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन से किसी भारतीय या विदेशी को देश छोड़ने से रोकने के लिए एलओसी नहीं मांग सकेंगे। गृह मंत्रालय ने साफ कहा है कि ऐसे सभी अनुरोध अब कानून प्रवर्तन एजेंसियों के जरिए ही भेजे जाएंगे।

यह बदलाव पिछले महीने सभी संबंधित एजेंसियों को भेजे गए एक संदेश में किया गया है। इससे पहले ये निकाय सीधे क्चश्वढ्ढ को अनुरोध कर सकते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। यह कदम एलओसी के दुरुपयोग को रोकने और प्रक्रिया को सख्त बनाने के लिए उठाया गया है। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिन वैधानिक निकायों के पास आपराधिक क्षेत्राधिकार नहीं है, वे एलओसी खोलने के लिए सीधे अनुरोध नहीं कर सकते। बीओएल को ऐसे किसी भी अनुरोध या आदेश मिलने पर तुरंत उसे वापस कर देना होगा।

साथ ही उस निकाय को सूचित करना होगा कि वे स्ह्रष्ट खोलने के अधिकृत नहीं हैं और उन्हें संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसी के पास भेजना चाहिए।

स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

गोगोई बोले- राहुल को 20 बार टोका गया; रिजिजू का जवाब- प्रियंका को नेता प्रतिपक्ष बनाते तो अच्छा होता

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया। 50 से ज्यादा सांसदों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया। इसके बाद पीठासीन ने प्रस्ताव पेश करने की परमिशन दे दी। प्रस्ताव पर चर्चा के लिए 10 घंटे का समय तय हुआ। मंगलवार को करीब 7 घंटे चर्चा हुई। इसके बाद सदन की कार्रवाई बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

विपक्ष ने ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात करने का आरोप लगाया है।

बहस की शुरुआत कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान 20 बार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को रोका-टोका गया। उन्हें बार बार रूलिंग बुक दिखाई गई।

उन्होंने अपनी स्पीच में एक आर्टिकल का हवाला दिया। इस पर उन्हें मना किया गया, लेकिन सत्ता पक्ष के सांसदों ने भारत में बैन किताबें सदन में दिखाईं। उनसे कुछ नहीं कहा गया। इस तरह का भेदभाव स्वीकार नहीं है।

गोगोई बोले- बिरला बोलने नहीं देते, माइक बंद किया

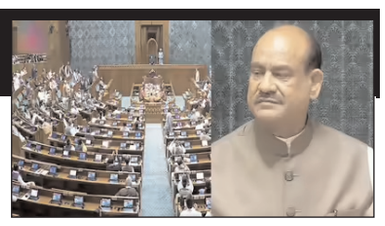

2 फ़रवरी को नेता विपक्ष राहुल गांधी जब बोल रहे थे, तब उन्हें बार-बार रोका गया। स्पीकर सर ने उनके तर्क पर सबूत देने का कहा।

9 फ़रवरी को शशि थरूर जब बोल रहे थे, तब उनका माइक बंद कर दिया गया। सरकार ने कहा कि बोलिए, लेकिन हम कैसे बोल सकते हैं जब माइक ऑफकिया गया हो। संसद में ऐसी नई-नई चीजें हो रही हैं।

आज महिला सांसदों के उद्देश्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ओम बिरला जी ने पीएम मोदी के समय कहा था कि महिला सांसदों ने पीएम की चेयर घेर ली है। उनके साथ कुछ भी हो सकता था। ये बहुत ही शर्मनाक बात है। बिरला ने किस आधार पर महिला सांसदों पर ये आरोप लगाए। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- इन लोगों ने पहले आरोप लगाया कि स्श्चद्गड्ड2द्गह्म् को बोलने नहीं दिया जाता है। मैं कहता हूं 15वीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष केवल 2 बार बोले। जब सेशन चलता है, तो विदेश चले जाते हैं।

भारतीय एयरलाइंस ने इंटरनेशनल फ्लाइट्स का किराया 15 प्रतिशत बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरलाइंस के लिए जेट-फ्यूल सबसे बड़ा खर्च होता है। कुल ऑपरेटिंग खर्च में इसकी हिस्सेदारी 30 से 40 प्रतिशत होती है।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर अब सीधे आम आदमी की जेब पर भी पड़ते दिखाई दे रहा है। भारतीय एयरलांइस ने इंटरनेशनल फ्लाइट्स के किराए में करीब 15त्न की बढ़ोतरी की है। ब्लूमबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ती जंग और होर्मुज रूट प्रभावित होने के कारण कच्चे तेल की कीमतों और जेट फ्यूल के दाम में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। जिसका असर ग्लोबल एविएशन इंडस्ट्री पर भी दिखने लगा है।

भारत समेत एशिया और दुनियाभर की प्रमुख एयरलाइंस ने भी टिकटों के दाम बढ़ा दिए हैं और कई कंपनियां अपने विमानों को ग्राउंडेड करने का प्लान भी बना रही हैं। जानकारों का कहना है कि यह 1970 के दशक के बाद का सबसे बड़ा तेल संकट हो सकता है। एयरलाइंस का कहना है कि ऑपरेशनल कॉस्ट बढ़ने से उनके पास किराया बढ़ाने के अलावा कोई ऑप्शन नहीं बचा है। एयरलाइंस का कहना है कि ऑपरेशनल कॉस्ट बढ़ने से उनके पास किराया बढ़ाने के अलावा कोई ऑप्शन नहीं बचा है।

ममता बनर्जी का बड़ा दांव, दागी मंत्री से छीना कानून मंत्रालय; एक्शन के पीछे छिपी है ये अहम वजह

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव की बिसात बिछने लगी है और इसी सियासी तपिश के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बेहद चौंकाने वाला फैसला लिया है। 'दीदी' ने अचानक अपनी कैबिनेट में बड़ा फेरबदल करते हुए राज्य के कानून मंत्रालय की अहम जिम्मेदारी सीधे अपने हाथों में ले ली है। अब तक ममता सरकार में यह महत्वपूर्ण विभाग मंत्री मलॉय घटक संभाल रहे थे, लेकिन सोमवार को अचानक उनसे यह प्रभार वापस ले लिया गया। राज्य सचिवालय की तरफ से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, घटक के पास अब सिर्फ श्रम विभाग की ही जिम्मेदारी बचेगी। इसके अलावा बाबुल सुप्रियो के राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद उनके सूचना प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक उद्यम जैसे विभागों का प्रभार भी खुद मुख्यमंत्री ने संभाल लिया है। सियासी गलियारों में बाबुल सुप्रियो के विभागों को अपने पास रखने की बात तो समझ आ रही है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर ममता बनर्जी ने मलॉय घटक जैसे पुराने और अनुभवी नेता से कानून मंत्रालय क्यों छीन लिया? सूत्रों की मानें तो इसके पीछे कई बड़ी वजहें हैं। साल 2021 में तीसरी बार सरकार बनने के बाद मलॉय घटक को यह अहम जिम्मा सौंपा गया था, लेकिन पिछले कुछ समय से मुख्यमंत्री उनके कामकाज के तौर-तरीकों से बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं थीं।

यहां तक कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अंदर भी घटक के रवैये को लेकर खासी नाराजगी पनप रही थी। ऐसे में चुनाव से ठीक पहले विभाग छीनकर ममता बनर्जी ने पार्टी और सरकार में एक बेहद सख्त सियासी संदेश देने की कोशिश की है।

दागी छवि और जांच एजेंसियों का कसता शिकंजा

मलॉय घटक से कानून मंत्रालय छीने जाने की एक और सबसे बड़ी वजह उनका कथित कोयला तस्करी घोटाले में घिरना माना जा रहा है। इस मामले में वे लगातार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई की रडार पर रहे हैं। जांच एजेंसियों के सामने पेश होने में उनके द्वारा की गई देरी ने भी बेवजह के विवादों को जन्म दिया। ऐसे दागी मंत्री के हाथ में कानून विभाग होने से सरकार की किरकिरी हो रही थी। दूसरी तरफ, पिछले कुछ दिनों में ईडी की छापेमारी और एफआईआर जैसे गंभीर मामलों में खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी दांव-पेच आजमाते हुए देखा गया था। इससे साफ है कि ममता कानूनी मामलों में किसी तरह की ढिलाई या दाग बर्दाश्त करने के मूड में नहीं हैं। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए ममता बनर्जी अब पूरी तरह से 'फ्रंटफुट' पर खेल रही हैं। केंद्र की ओर से भेजी जा रही जांच एजेंसियों (ईडी और सीबीआई) की बढ़ती सक्रियता को लेकर ममता सरकार हमेशा से मुखर रही है। ऐसे में कानून मंत्रालय की कमान अपने हाथ में रखकर मुख्यमंत्री इन एजेंसियों के खिलाफ राज्य की कानूनी रणनीति को और अधिक आक्रामक और मजबूत बनाना चाहती हैं।

विधानसभा में गूंजा मामला, विपक्ष का वाक आउट

अतिक्रमण के कारण बैंक भवन का निर्माण रुका है तो क्यों नहीं चलवा देते बुलडोजर...

समय दर्शन

रायपुर। डोंगरगढ़ में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक भवन का निर्माण कार्य अतिक्रमण के कारण शुरु नहीं हो पाने का मामला आज विधानसभा में गूंजा। कांग्रेस विधायक हर्षिता स्वामी बघेल ने आरोप लगाया कि किसी खास आदमी को फायदा पहुंचाने बैंक किराये के भवन में चलने दिया जा रहा है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सवाल उठाया कि बाकी जगह पर बुलडोजर चलवा रहे हैं तो उस जगह पर क्यों नहीं चलवा रहे जहां अतिक्रमण के कारण बैंक भवन का निर्माण कार्य रुका पड़ा है? इस पर मंत्री केदार कश्यप की ओर से आए जवाबों का विरोध करते हुए सारे विपक्षी विधायक नारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गए।

प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल का सवाल था कि क्या जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा डोंगरगढ़ के प्रस्ताव के आधार पर पंजीयक, सहकारी संस्थाएं व्दारा 24 अगस्त 2023 को भवन निर्माण की अनुमति दी गई? यदि हां तो कितनी राशि स्वीकृत की गई? क्या इस संबंध में पूर्व विधानसभा प्रश्न के उत्तर में भूमि पर अतिक्रमण होना बताया गया था? यदि हां तो क्या उक्त भूमि को कब्जा मुक्त करा लिया गया? यदि नहीं तो कब तक अतिक्रमण मुक्त कराकर भवन निर्माण कराया जावेगा? क्या वर्तमान में बैंक किराया के भवन में संचालित किया जा रहा है? यदि हां तो मासिक किराया कितना है?

सहकारिता मंत्री केदार कश्यप की ओर से जवाब आया कि भवन निर्माण हेतु 39 लाख स्वीकृत किए गए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव व्दारा वर्तमान में उक्त भूमि पर अतिक्रमण होने के कारण शाखा भवन निर्माण हेतु अन्यत्र भूमि आबंटित करने हेतु राजनांदगांव कलेक्टर को कहा गया है। भूमि आबंटन होने पर भवन निर्माण कार्य कराया जायेगा। भवन का मासिक किराया 19 हजार 400 रुपये है।

श्रीमती हर्षिता बघेल ने कहा कि इस जवाब से संतुष्ट नहीं हूं। सवाल यह कि अतिक्रमण क्यों नहीं हटाया गया? मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अतिक्रमण पर पत्राचार जारी है। पार्किंग की व्यवस्था नहीं हो पा रही थी। हर्षिता बघेल ने कहा कि भवन निर्माण हेतु राशि जारी हुई। टेंडर लगा। वर्क ऑर्डर जारी हुआ। भूमि पूजन भी हुआ। क्या अतिक्रमण को बरकरार रहने देते हुए किसानों का बैंक नहीं बनने देना चाह रहे हैं? मंत्री ने कहा कि 2023 की स्वीकृति है। पार्किंग व अन्य सुविधाओं की स्थिति नहीं बन पा रही है। कलेक्टर से चर्चा कर दूसरी जगह देख रहे हैं। श्रीमती बघेल ने आरोप लगाया कि किसी खास आदमी को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से बैंक को किराये के घर पर चलने दिया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूछा कि जहां निर्माण होना है वह जगह कुल कितनी है, पार्किंग कितने में बनना है और अतिक्रमण कितनी जगह पर हुआ है? मंत्री की ओर से जवाब आया कि कुल जगह 22 हजार वर्ग फुट है। पार्किंग के लिए 3 हजार वर्ग फुट रखा जाना है। भूपेश बघेल ने कहा कि 3 साल हो गए। कब तक अतिक्रमण हटाएंगे? मंत्री लखनलाल देवांगन ने इसी सदन में कहा था कि कलेक्टर को आदेश नहीं दे सकते। क्या आप भी ऐसा मानते हैं?

फिटनेस व परमिट से जुड़े सवालों पर घिरे मंत्री

भूपेश बघेल व अजय चंद्राकर में तीखी बहस

रायपुर। विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान व्यावसायिक वाहनों के फिटनेस एवं परमिट से जुड़े मुद्दों पर बहस के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं भाजपा विधायक अजय चंद्राकर के बीच तीखी नोंक-झोंक हुई। विभिन्न सवालों पर मंत्री केदार कश्यप की तरफ से जो भी जवाब आया उससे विपक्षी विधायकगण संतुष्ट नहीं हुए और नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन कर गए। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक ओंकार साहू का सवाल था कि प्रदेश में विगत तीन वर्षों में कितने व्यावसायिक वाहनों को बिना भौतिक परीक्षण के फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किए गए हैं? उक्त अवधि में परिवहन विभाग व्दारा वाहनों की ओवर लोडिंग, बिना परमिट संचालन एवं बिना बीमा पाए जाने पर कितने प्रकरण बनाए गए तथा कितनी राशि वसूल की गई?

मंत्री केदार कश्यप की ओर से जवाब आया कि विगत तीन वर्षों में किसी भी व्यावसायिक वाहन को बिना भौतिक परीक्षण के फिटनेस प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया। उक्त अवधि में ओवर लोडिंग, बिना परमिट संचालन एवं बिना बीमा पाये जाने पर 77 हजार 810 प्रकरण बनाये गए हैं तथा उस पर 42 करोड़ 79 लाख 5 हजार 300 रुपये वसूले गए हैं। ओंकार शाह ने कहा कि मेरे सवालों का जवाब नहीं आया। बिना परमिट वाले वाले वाहनों की संख्या बता दें। मंत्री ने बताया कि 88 हजार 96 वाहनों का फिटनेस परीक्षण हुआ, जिनमें 87 हजार 946 पास हुए। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सवाल किया कि आपसे जब पूछा गया कि प्रदेश में विगत तीन वर्षों में कितने व्यावसायिक वाहनों को बिना भौतिक परीक्षण के फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किए गए तो आपका उत्तर निरंक आया। आपका वो वाला जवाब सही है या ये वाला? मंत्री ने कहा कि निरंक वाला जवाब सही है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

खबर-खास

महिला प्रसाधन में बिखरे हुए कंडोम बताते हैं जोर-शोर से चल रहा है व्हीआईपी रोड में देह व्यापार

बिलासपुर (समय दर्शन)। बिलासपुर जीरो पॉइंट से मात्र 24 किलोमीटर दूर स्थित टोल भोजपुरी अब धनकड़ स्टाइल में सेक्स का अड्डा बन गया है। इधर-उधर की बात न कर के सीधा कह तो यहां दिन ढलते ही न केवल किन्नर बल्कि स्थानीय वैश्या महिलाएं भी अपने-अपने स्थान चुन लेती है। आमतौर पर महिला प्रसाधन किन्नरों का पहला पसंदीदा सेक्स स्पॉट है। बाथरूम और आसपास बिखरे हुए कंडोम अपनी कहानी बता देते हैं इसी तरह सामान्य दे व्यापार के लिए चलती हुई कार आसपास के ओयो होटल आसानी से उपलब्ध हैं। पेनड्राइव बाईपास में भी देह व्यापार जोरों से चल रहा है। सकरी बाईपास में भी सुरक्षित अड्डा बन गया है। कुल मिलाकर देह व्यापार अवैध शराब और ड्रग्स का यह ट्रायंगल पिछले तीन माह से जोर-शोर से चल रहा है। ध्यान देने वाली बात है कि छत्तीसगढ़ एचआईवी प्लस संक्रमण दर में राष्ट्रीय औसत से एक प्रतिशत ऊपर है। इन तीनों स्थानों की दूरी उच्च न्यायालय से 10 किलोमीटर के भीतर है।

कलेक्टर ने मृत पंचायत सचिव के पुत्र को प्रदान किया अनुकंपा नियुक्ति पत्र

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जनपद पंचायत मुंगेली अंतर्गत पंचायत सचिव स्व. शिवशंकर पटेल की आकस्मिक मृत्यु होने पर उनके पुत्र देवधर पटेल को अनुकंपा नियुक्ति पत्र प्रदान किया और शुभकामनाएं दी। जिला पंचायत द्वारा जारी आदेश के अनुसार पंचायत सचिव स्व. शिवशंकर पटेल की शासकीय सेवा के दौरान आकस्मिक निधन होने पर उनके पुत्र देवधर पटेल ने अनुकम्पा नियुक्ति हेतु आवेदन किया गया था। जिस पर जिला स्तरीय समिति की अनुशंसा एवं शासन के निर्देशानुसार अनुकंपा नियुक्ति के अंतर्गत पंचायत सचिव के पद हेतु चयनित किया गया है। इस दौरान अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत सिईओ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर, डिप्टी कलेक्टर मायानंद चंद्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राज्य सभा प्रत्याशी श्रीमती लक्ष्मी वर्मा से महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने सौजन्य मुलाकात कर सरस्वती माता की मूर्ति भेट

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ से राज्यसभा के लिए प्रत्याशी घोषित होने पर श्रीमती लक्ष्मी वर्मा से दुर्ग की प्रथम नागरिक महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने अपने एमआईसी साथियों के साथ उनके निवास स्थान पहुँचकर सौजन्य मुलाकात की और उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सरस्वती माता की मूर्ति भेट की।

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि श्रीमती लक्ष्मी वर्मा एक अनुभवी, कर्मठ और जनसेवा के प्रति समर्पित व्यक्तित्व की धनी हैं। उनके राज्यसभा के लिए प्रत्याशी घोषित होने से छत्तीसगढ़ को एक मजबूत और प्रभावी नेतृत्व मिलेगा।राज्यसभा जैसे महत्वपूर्ण मंच पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करना पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है। श्रीमती लक्ष्मी वर्मा के अनुभव, कार्यशैली और जनहित के प्रति समर्पण से निश्चित रूप से प्रदेश के विकास को नई दिशा और गति मिलेगी।

इस दौरान महापौर अलका बाघमार ने श्रीमती लक्ष्मी वर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की तथा आगामी कार्यकाल के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी। मुलाकात के दौरान एमआईसी के सदस्य भी उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर उन्हें बधाई।

चुनाव में नशामुक्त छत्तीसगढ़ का वादा, सत्ता में आते ही खुले नए शराब ठेके और अफीम की खेती : अब्दुल कलाम खान

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में नशे को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। राजस्थान-ओडिशा प्रदेश प्रभारी अल्पसंख्यक विभाग अब्दुल कलाम खान ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि दुर्ग जिले के ग्राम समोदा में भाजपा के नेता 7 एकड़ भूमि पर अफीम की खेती कर रहे हैं। उन्होंने इसे छत्तीसगढ़ सरकार के लिए शर्मनाक घटना बताया।

अब्दुल कलाम खान ने कहा कि भाजपा चुनाव में हर मंच से नशामुक्त छत्तीसगढ़ का वादा करती रही, लेकिन सत्ता में आते ही नशे पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उनका आरोप है कि भाजपा सरकार अपने नेताओं के जरिए नशे के कारोबार को संरक्षण दे रही है और युवाओं को नशे की दलदल में धकेल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने माताओं और बहनों के विरोध के बावजूद प्रदेश में 67 नई शराब दुकानों का उद्घाटन किया और हाल ही में धमतरी जिले में 13 नई शराब दुकानों के प्रस्ताव को पास किया। वहीं, अन्य राज्यों से गांजे की तस्करी लगातार पकड़ी जा रही हैए जिसकी कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है। अब्दुल कलाम खान ने चेताया कि प्रदेश में सूखे नशे और गांजे का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। नशे में युवा चाकूबाजी, हत्या जैसे जघन्य अपराधों में फंसकर अपना और दूसरों का जीवन बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ से लगे अन्य प्रदेशों में भी भाजपा की सरकार होने के कारण यह शक है कि वहां के भाजपा प्रतिनिधि और कार्यकर्ता भी नशे के कारोबार को बढ़ाने में मिलीभगत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब छत्तीसगढ़ जैसे शांत प्रदेश में सरकार के नाक के नीचे भाजपा किसान मोर्चा के नेता और कार्यकर्ता अफीम की खेती कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अफीम की खेती तैयार होने में समय लगता है, फिर भी प्रशासन को इसकी भनक क्यों नहीं लगी।

बन्सुला बसना निवासी भोजवती साहू की प्रेरक कहानी, महतारी वंदन योजना बना आत्मविश्वास का पर्याय

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड के ग्राम बन्सुला की निवासी श्रीमती भोजवती साहू (पति: स्व. अजय साहू) की जिंदगी पति के निधन के बाद मुश्किलों से भरी हो गई थी। घर की सारी जिम्मेदारियां उनके कंधों पर आ गईं, और सबसे बड़ी चिंता बच्चों के भविष्य को लेकर थी। इसी दौर में उन्हें महतारी वंदन योजना के बारे में जानकारी मिली। हर महीने मिलने वाली 1000 रुपये की सहायता उनके लिए वरदान साबित हुई। श्रीमती भोजवती ने इस राशि का समझदारी से उपयोग किया और एक छोटी सी किराना दुकान शुरू की। दुकान में बिस्कुट, नमकीन, साबुन, तेल जैसी रोजमर्रा की जरूरी चीजें रखीं।

शुरुआत में हिचकिचाहट थी, लेकिन धीरे-धीरे ग्राहक बढ़े और आमदनी होने लगी। योजना की मदद से दुकान को और विस्तार दिया गया। आज यह दुकान न केवल परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी कर रही है, बल्कि दोनों बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ाई का अवसर भी दे रही है। श्रीमती भोजवती कहती हैं, जब मेरे बच्चे पढ़ते हैं और मुस्कुराते हैं, तो लगता है जैसे मेरे पति की आत्मा भी खुश हो रही होगी। मैंने हार नहीं मानी, और आज खुद पर गर्व महसूस करती हूं।

स्व सहायता समूह से जुड़कर बदली श्रीमती पुष्पा साहू की जिंदगी

लखपति दीदी की कहानी - दीदी की जुबानी

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले के ग्राम नीनवा, विकासखंड बेमेतरा की निवासी श्रीमती पुष्पा साहू आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं। कभी आर्थिक तंगी और अभावों में जीवन यापन करने वाली पुष्पा साहू ने स्वयं सहायता समूह से जुड़कर न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया, बल्कि आत्मनिर्भरता की मिसाल भी पेश की है। पुष्पा साहू बताती हैं कि समूह से जुड़ने से पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत ही कमजोर थी। घर की आजीविका मुख्य रूप से मजदूरी पर निर्भर थी। सीमित आय के कारण परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करना भी कठिन हो जाता था। ऐसे कठिन समय में उन्हें ग्रामीण आजीविका

मिशन के अंतर्गत संचालित महिला स्वयं सहायता समूह की जानकारी मिली और वर्ष 2020 में उन्होंने समूह की सदस्यता ग्रहण की।

समूह से जुड़ने के बाद पुष्पा साहू को बचत की आदत, सामूहिक कार्य प्रणाली और आर्थिक प्रबंधन की जानकारी मिली। समूह के माध्यम से उन्हें आरएफ(रेवोलविंग फण्ड) और सीआईएफ(कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फण्ड) की राशि उपलब्ध हुई। इस राशि का उपयोग करते हुए उन्होंने अपने घर के आसपास बाड़ी विकास (किचन गार्डन) का कार्य प्रारंभ किया। बाड़ी विकास के माध्यम से उन्होंने विभिन्न प्रकार की सब्जियों का उत्पादन शुरू किया, जिससे एक ओर परिवार को ताजी और पौष्टिक सब्जियां मिलने लगीं, वहीं अतिरिक्त सब्जियों को स्थानीय बाजार में बेचकर आय का एक नया स्रोत भी तैयार हो गया। धीरे-धीरे उनकी आमदनी में वृद्धि होने लगी और परिवार की आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगा।

पुष्पा साहू कहती हैं कि स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आत्मविश्वास और नई पहचान मिली है। समूह की बैठकों में उन्हें वित्तीय साक्षरता, बचत, ऋण प्रबंधन तथा स्वरोजगार से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली, जिनका लाभ उन्होंने अपने जीवन में उठाया। आज पुष्पा साहू अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। वे अपने अनुभव साझा करते हुए अन्य महिलाओं को भी स्वयं सहायता समूह से जुड़ने और स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का यह एक सफल उदाहरण है। श्रीमती पुष्पा साहू की कहानी यह दर्शाती है कि यदि महिलाओं को सही मार्गदर्शन, अवसर और सहयोग मिले, तो वे अपने जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा बन सकती हैं।

कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने गोद लेंगे अधिकारी

कलेक्टर ने ली समय-सीमा की बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

विकास कार्यों में रूचि नहीं लेने वाले सरपंच एवं सचिवों के विरुद्ध होगी कार्रवाई - कलेक्टर

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज सुबह 10:00 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित कर जिले में संचालित शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, रवि कुमार साहू, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), विभागीय जिलाधिकारी, जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ तथा वीसी के माध्यम से ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री लंगेह ने बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले में धान उठाव के कार्य में तेजी लाएं और शेष धान का उठाव 25 मार्च तक अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से संबंधित लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए कृषि विभाग को शिविर आयोजित कर किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। कृषि उप संचालक ने बताया कि वर्तमान में शिविर लगाकर समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर श्री लंगेह ने जिले में कुपोषण को समाप्त करने के लिए अधिकारियों को कुपोषित बच्चों को गोद लेकर उनके स्वास्थ्य एवं पोषण सुधार की दिशा में प्रयास करने के निर्देश दिए हैं तथा चिन्हांकित कुपोषित बच्चों को गोद लेकर उन्हें पोषित करने की जिम्मेदारी दी गई है। स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने सभी छात्रों के अपार कार्ड बनाए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी विकासखण्ड अधिकारियों को निर्देशानुसार काम करने कहा है। साथ ही जिनकी प्रगति संतोषप्रद नहीं है ऐसे बीईओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री लंगेह ने निर्देश दिए है कि सभी अधिकारी-कर्मचारी मंगलवार और बुधवार को अनिवार्य रूप से कार्यालय में रहें तथा प्रतिदिन प्रात: 10 बजे समय पर कार्यालय पहुंचे तथा आधार बेस्ड उपस्थिति प्रणाली को अनिवार्य रूप से पालन करें। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय पर उपस्थिति में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ई-ऑफिस प्रणाली में नियमित पत्राचार करते हुए इसे व्यवहार में प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि पीएम जनमन आवास योजना के अंतर्गत सर्वे के लिए पोर्टल 15 दिनों तक खुला है। उन्होंने पात्र हितग्राहियों का सर्वे समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्वामित्व योजना अंतर्गत वनाधिकार पट्टों के नामांतरण के लिए विशेष निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि यह वन भूमि अंतर्गत आता है, तो संबंधित वन विभाग के रेंज ऑफिस से संपर्क करें। यदि राजस्व अंतर्गत है तो तहसीलदार से संपर्क कर सकते हैं। इससे स्वामित्व के पट्टे बनाए जा सकेंगे। कलेक्टर ने सभी जनपद सीईओ को मनरेगा के तहत अधिक से अधिक मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए मानव दिवस बढ़ाने के निर्देश दिए है। वर्तमान में 526 ग्राम पंचायतों में लगभग 36 हजार मजदूर कार्यरत हैं, जिसे और बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही गांव-गांव में कचरा संग्रहण की शुरुआत करने के निर्देश दिए। विशेषकर राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे बसे गांवों को मॉडल विलेज के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही नगरीय निकायों के सीएमओ को नियमित साफ-सफाई एवं कचरा संग्रहण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में संपूर्णता अभियान के अंतर्गत सभी संकेतकों को पूर्ण करने पर भी जोर दिया गया तथा ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को शिविरों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए। आगामी जनगणना को ध्यान में रखते हुए जनगणना प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने के लिए अधिकारियों को कहा गया। कलेक्टर ने विभिन्न विकास प्राधिकरणों में लंबित कार्यों में रुचि नहीं लेने वाले सरपंच एवं सचिवों पर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी गई।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर निरुपमा विशाल सम्मानित

बसना(समय दर्शन)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर श्रीमती निरुपमा विशाल को महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया। 8 मार्च को श्री शंकराचार्य भवन महासमुंद में महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में जिला स्तर पर योगदान देने वाली महिलाओं का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। उक्त कार्यक्रम में जिले भर से सभी शासकीय विभागों से उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को आमंत्रित किया गया था। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिन्हा , कलेक्टर - विनय लंगेह , जिला पंचायत सीईओ हेमंत रमेश नंदनवार व अनेक सामाजिक राजनैतिक जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में तथा सभी विभाग के महिलाओं की उपस्थिति में सम्मान समारोह संपन्न हुआ। उक्त समारोह में बसना विकास खंड के शिक्षा विभाग से श्रीमती निरुपमा विशाल , शिक्षिका शास उच्च प्राथमिक शाला गढ़पटनी का सम्मान किया गया। स्मार्ट माता एवम महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया। ज्ञात हो कि श्रीमती विशाल वर्तमान में जागृति कोलता समाज बसना की महिला इकाई की अध्यक्ष हैं एवम कोलता समाज रायपुर संभाग महिला प्रकोष्ठ की संभागीय सचिव भी हैं। समारोह में संतोषी साहू एवम सरस्वती पटेल का भी सम्मान किया गया। उक्त सम्मान प्राप्त होने पर विकास खंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे , वि ख स्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव , सहायक वि ख शि अधिकारी लोकेश्वर सिंग कंवर , विजय शंकर विशाल , शरण दास , विजय धृतलहरे , गजानन भोई , संतोषी साहू , विनोद शंकर विशाल , चंचला सतपथी , सरस्वती पटेल , संभागीय महिला अध्यक्ष श्रीमती त्रिवेणी बढ़ाई , विजय सामल , भूपेश भोई , कविता सामल, आदि ने हर्ष व्यक्त किया एवम शुभकामनाएं दी है।

शक्तिधाम में नवरात्रि की तैयारियां जोरो पर, सात दिवसीय वैदिक महालक्ष्मी महायज्ञ का आयोजन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शक्तिधाम महाकाली मंदिर एवं शक्तिधाम अघोर शोध एवं जनकल्याण आश्रम बाबुटोला वार्ड नंबर 1 में चैत्र नवरात्र को लेकर तैयारियाँ लगभग पूरी हो चुकी हैं। शक्तिधाम धर्मार्थ सेवा समिति के संरक्षक गुरुदेव हरीश यादव के मार्गदर्शन में अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी नवरात्र पर्व को भक्ति और उत्साह के साथ मनाने की तैयारियों की समीक्षा की। ज्ञात हो कि आगामी 19 मार्च से चैत्र नवरात्र प्रारम्भ होगा। गुरुदेव हरीश यादव ने बताया कि इस वर्ष भी मंदिर में नवरात्रि पर्व भक्तिमय माहौल में मनाया जाएगा। पिछले दिनों शक्तिधाम अघोर शोध एवं जनकल्याण आश्रम का भूमिपूजन किया गया, जो अघोर साधना और जनकल्याण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देगा। मंदिर में नवरात्र के दौरान विशेष आयोजन होंगे। 18 मार्च को बिरही भिगाने की परंपरा, 19 मार्च को घट स्थापना और ज्योति प्रज्वलन के साथ नवरात्र का विधिवत शुभारंभ होगा। इस वर्ष सात दिवसीय वैदिक महालक्ष्मी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखा जा रहा है।

पंचमी को मां महाकाली का विशेष श्रृंगार होगा, तत्पश्चात भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। 26 मार्च को अष्टमी हवन दोपहर 3 बजे से होगा। हवन के बाद नि:संतान दंपतियों को संतान प्राप्ति हेतु मां महाकाली का अर्जी, श्रीफल और भभूति वितरित किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण और समानता का दिया संदेश

बेमेतरा (समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर माननीय श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के मार्गदर्शन व मुख्य अतिथ्य में पुराना विश्राम गृह के सभागार में महिला अधिकारियों, कर्मचारियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालय में कार्यरत महिला सफाई कर्मियों के सम्मान एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का संचालन द्वितीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, श्रीमती साक्षी दीक्षित के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती अनिता कोशिमा रावटे, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कु. श्रुति साहू, प्रथम न्यायिक मजिस्ट्रेट, कनिष्ठ श्रेणी, कु. सार्विका चतुर्वेदी, द्वितीय न्यायिक मजिस्ट्रेट, कनिष्ठ श्रेणी, वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीमती सलमा शरिफ श्रीमती नम्रता त्रिपाठी, श्रीमती श्वेता देवागंन, श्रीमती आभा मलाकी व अन्य कनिष्ठ महिला अधिवक्तागण, न्यायालयीन महिला कर्मचारीगण, डीएलएसए के महिला कर्मचारीगण, एलएडीसीएस के महिला अधिवक्तागण, जिला न्यायालय स्थित स्वास्थ्य केन्द्र में कार्यरत् स्टॉफ नर्स, नगर पालिका के महिला सफाई कर्मचारीगण एवं पैरालीगल वालेंटियर्स की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत माननीय श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में समस्त उपस्थित अतिथिगण एवं उपस्थित समस्त नारी शक्ति का स्वागत बैच लगाकर किया गया एवं नारी शक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें मोमेंट एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। उक्त विशेष दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय श्रीमती संरोज नंद दास, प्रधान न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा द्वारा स्वागत भाषण में कहां गया कि नारी शक्ति का प्रतीक है, नारी से ही सृष्टि की संरचना होती है। नारी का सम्मान करने का कोई विशेष दिन नही होता, नारी हमेशा पूजनीय है। श्रीमती साक्षी दीक्षित, द्वितीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि जब एक महिला आत्मनिर्भर बनती है तो वह ना केवल अपना जीवन बदलती है बल्कि सामाज का एक नई दिशा देने का कार्य करती है। यही कारण है कि विश्व भर में नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि महिला अपनी पहचान खुद बना सके और सामाज में किसी भी क्षेत्र में पीछे ना रहे। आज के दौर में महिलाए हर क्षेत्र में अपने प्रतिभा का परिचय से रही है। शिक्षा, खेल, राजनीति और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में महिलाएं निरंतर आगे बढ़ रही हैं और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी महिलाओं ने सम्मान, सुरक्षा व समानता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर श्रीमती अनिता कोशिमा रावटे, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नवीन निर्माणाधीन न्यायालय भवन में कार्यरत महिला श्रमिकों को उनके कानूनी अधिकारों, नि:शुल्क विधिक सहायता तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

श्रमिक सम्मेलन का हुआ आयोजन

विभिन्न योजनाओं के माध्यम से श्रमिक परिवारों को मिल रही आर्थिक सहायता -स्कूल शिक्षा मंत्री यादव

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव के मुख्य आतिथ्य में श्रम विभाग द्वारा श्रमिक सम्मेलन का आयोजन आज महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर भिलाई में किया गया। सम्मेलन के दौरान छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित श्रमिकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से 9 हजार 556 श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग 10 करोड़ 42 लाख 7 हजार 343 रूपए की राशि अंतरित की गई।

इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने छ.ग. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत संचालित योजनाओं के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए। इनमें मिनीमाता महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना और मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना शामिल हैं।

श्रमिक सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में श्रमिकों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा लगातार योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मजदूरों द्वारा विभिन्न प्रकार के काम करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। ऐसे में यदि किसी श्रमिक के साथ कोई दुर्घटना हो जाती थी तो उसके परिवार को जीवन भर आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ती थी। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल का गठन किया गया। मंडल के माध्यम से प्रदेश के मजदूर भाई-बहनों का श्रम विभाग में पंजीयन शुरू किया गया और श्रमिक कार्ड बनाए गए, ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। साथ ही महिला श्रमिकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई मशीन उपलब्ध कराई गई, जिससे वे घर बैठे काम कर सकें। राज्य में गरीबों के लिए दो रुपये किलो चावल की योजना भी शुरू की गई थी। पहले यह सुविधा केवल गरीबी रेखा के अंतर्गत आने वाले परिवारों को मिलती थी, लेकिन बाद में श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिक कार्ड धारकों को भी इसका लाभ मिलने लगा। इस तरह श्रमिकों को राशन कार्ड और श्रम कार्ड के माध्यम से खाद्य सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई। वर्तमान में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में दिया जा रहा है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से श्रमिक परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। मंत्री श्री यादव ने श्रमिकों से अपील की है कि वे श्रम विभाग में पंजीयन कराकर इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस अवसर पर अध्यक्ष छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल ने भी मंडल द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे ने भी संक्षिप्त उद्बोधन दिया। इस अवसर पर तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष श्री जितेन्द्र साहू, श्री भोजराम सिन्हा, श्रीमती तुलसी साहू, श्रीमती ललेश्वरी साहू, पार्षद श्री मनीष कोठारी, पार्षद श्री गुलराम साहू, अध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती स्वीटी कौशिक, अध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन श्रीमती कीर्ति नायक, श्रम अधिकारी श्री विकास सरोडे, श्रम निरीक्षक श्री बसंत वर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित थे।

विधानसभा समाचार

छत्तीसगढ़ में डिप्टी कलेक्टर के 42 पद रिक्त...

विधानसभा में मुख्यमंत्री का आया जवाब

रायपुर/समय दर्शन। विधानसभा में आज कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव के सवाल पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जवाब आया कि छत्तीसगढ़ में इस समय डिप्टी कलेक्टर के 42 पद रिक्त हैं।

अटल श्रीवास्तव का लिखित में सवाल था कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में डिप्टी कलेक्टर के कितने पद रिक्त हैं? क्या डिप्टी कलेक्टर की पद पूर्ति सीधी भर्ती एवं पदोन्नति से की जाती है? अगर हां, तो तहसीलदार से डिप्टी कलेक्टर में पदोन्नत करने हेतु कितना अनुपात लिया जाता है? पूर्व में कितने तहसीलदार को डिप्टी कलेक्टर के पद पर पदोन्नत किया गया और कब किया गया? कुल पद के विरुद्ध कितने अनुपात में किया गया? क्या डिप्टी कलेक्टर पद की पूर्ति हेतु सीधी भर्ती एवं तहसीलदार से पदोन्नति करने का 50/50 का अनुपात लागू किया गया है अथवा 50/50 अनुपात में किए जाने हेतु कोई कार्यवाही/प्रस्ताव लंबित है?

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की ओर से लिखित में जवाब आया कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में डिप्टी कलेक्टर के कुल 42 पद रिक्त हैं। तहसीलदार से डिप्टी कलेक्टर में पदोन्नत करने हेतु 40 प्रतिशत का अनुपात लिया जाता है। पूर्व में 2001 से 2025 तक कुल 336 अधिकारियों को डिप्टी कलेक्टर के पद पर पदोन्नत किया गया है। कुल पद के विरूद्ध वर्ष 2001 से 2020 तक 50/50 तथा वर्ष 2021 से 2025 तक 60/40 अनुपात में पदोन्नत किया गया है। सीधी भर्ती एवं तहसीलदार से पदोन्नति करने का 50/50 का अनुपात किये जाने हेतु अधिसूचना 20 फरवरी 2026 को जारी की गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

फिटनेस व परमिट से जुड़े सवालों पर घिरे मंत्री

भूपेश बघेल ने सभापति धरमलाल कौशिक से अनुरोध किया कि मंत्री की ओर से उत्तर नहीं आ रहा है। इसे किसी दूसरे दिन के लिए रख लीजिए, नहीं तो हमें सदन से बायकॉट करना पड़ेगा। ऐसी गैर जिम्मेदारी के लिए विभाग को प्रताड़ित करना चाहिए। ओंकार शाह ने कहा कि विभाग की तैयारी नहीं है। जो जवाब आ रहे हैं उनसे मैं संतुष्ट नहीं हूं। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि भूपेश जी को इस तरह धमकाने का अधिकार नहीं है। यहां धमकी नहीं चलेगी। बघेल ने कहा कि आप भी कभी किसी खास मौके पर बायकॉट किए थे, भूल गए क्या! सभापति धरमलाल कौशिक ने कहा कि आपने जो पूछा, उसे ही पढ़कर मंत्री ने बताया। पृथक से कोई जानकारी नहीं मांगी गई थी।

भूपेश बघेल ने कहा कि यह दुर्भाग्यजनक है कि मंत्री का अपने विभाग पर कंट्रोल नहीं है। इसके विरोध में बहिर्गमन करते हैं। इसके साथ ही सारे कांग्रेस विधायकगण नारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गए।

नारी शक्ति से औद्योगिक प्रगति: पूनम जायसवाल ने 20 महिलाओं को दिया रोजगार

रायपुर।
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज उन महिला उद्यमियों की सफलता की कहानियां सामने आ रही हैं, जिन्होंने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया है।

अम्बिकापुर की श्रीमती पूनम जायसवाल ऐसी ही एक प्रेरणापुंज हैं, जिन्होंने न केवल अपनी पारिवारिक स्थिति को सुदृढ़ किया, बल्कि आज 20 से अधिक महिलाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर 'नारी सशक्तिकरण' के संकल्प को धरातल पर उतारा है।

संघर्ष से सफलता तक: निजी संसाधनों से रखी नींव

श्रीमती पूनम जायसवाल ने बताया कि उनके उद्यमिता के सफर की शुरुआत वर्ष 2000 में एक छोटे से किराये के भवन और सीमित निजी संसाधनों से हुई थी। आर्थिक चुनौतियां बड़ी थीं, लेकिन हौसला कम नहीं हुआ। वर्ष 2013-14 में छत्तीसगढ़ शासन की नीतियों के फलस्वरूप उन्हें 99 वर्ष की लीज पर औद्योगिक भूमि प्राप्त हुई। बैंक से ऋण लेकर उन्होंने अपने कार्य को गति दी और आज उनका यह लघु उद्योग एक सफल इकाई के रूप में स्थापित हो चुका है।

20 से अधिक महिलाओं को मिला रोजगार

श्रीमती पूनम का उद्देश्य केवल स्वयं का विकास नहीं, बल्कि समाज की जरूरतमंद महिलाओं को साथ लेकर चलना रहा है। उन्होंने बताया कि, मेरे उद्योग में आज 20-22 बहनें कार्य कर रही हैं, जिससे वे अपने परिवार का भरण-पोषण सुचारू रूप से कर पा रही हैं। अब उनका लक्ष्य अपने इस उद्यम को 'प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी के रूप में विकसित करना है, ताकि अधिक से अधिक महिला उद्यमियों को जोड़ा जा सके।

अपनी सफलता का श्रेय छत्तीसगढ़ शासन और जिला उद्योग केंद्र को देते हुए श्रीमती जायसवाल ने कहा कि शासन द्वारा प्रदान की गई भूमि और समय-समय पर मिले मार्गदर्शन ने उनके मार्ग को प्रशस्त किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार की 'नई उद्योग नीति' की सराहना करते हुए कहा कि लागत पूँजी पर मिलने वाले प्रोत्साहन और सब्सिडी के कारण महिलाओं के लिए उद्यमिता के द्वार खुले हैं।

आधी आबादी की शक्ति से बढ़ेगा देश

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि, देश की 50 प्रतिशत जनसंख्या महिलाओं की है। जब महिलाएँ आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी बनेंगी, तभी देश आगे बढ़ेगा।

महतारी वंदन योजना बनी महिलाओं की आत्मनिर्भरता का आधार, लाभान्वित महिलाओं ने मुख्यमंत्री को कहा धन्यवाद

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को बस्तर में आयोजित वृहद महतारी वंदन कार्यक्रम के दौरान श्रीमती अनीता साहू और श्रीमती मिथलेश चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से वर्चुअल संवाद कर महतारी वंदन योजना से अपने जीवन में आए बदलाव के बारे में बताया और इसके लिए उनका आभार व्यक्त किया।

गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के गौरेला विकासखण्ड के ग्राम खोडरी की श्रीमती अनीता साहू ने बताया कि महतारी वंदन योजना से प्रतिमाह मिलने वाली राशि से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और सिलाई कार्य शुरू किया। पहले उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, क्योंकि उनके पति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण परिवार की जिम्मेदारी उन्हें ही उठानी पड़ती थी। अब खेती, मजदूरी और सिलाई कार्य से आय के साथ उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है। उन्होंने अनीता सिलाई सेंटर के नाम से उद्यम पंजीयन भी कराया है और महिला एवं बाल विकास विभाग की सक्षम योजना के तहत एक लाख रुपये का ऋण भी प्राप्त किया है। इसी तरह मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले की श्रीमती मिथलेश चतुर्वेदी ने बताया कि पति के निधन के बाद परिवार का भरण-पोषण करना उनके लिए बड़ी चुनौती बन गया था। शासन से मिली सहायता राशि और महतारी वंदन योजना के सहयोग से उन्होंने ई-रिक्शा खरीदकर आजीविका का नया साधन शुरू किया। अब वे आत्मसम्मान के साथ अपने परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं। दोनों महिलाओं ने कहा कि महतारी वंदन योजना ने उन्हें आर्थिक संबल देने के साथ आत्मविश्वास भी दिया है। उन्होंने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जिले के 2548 हितग्राहियों को मिल रहा आर्थिक लाभ

रायपुर। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ की गई पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रभावी पहल साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से देश सहित जिले के आवासीय परिवारों को अपनी बिजली स्वयं उत्पन्न करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत महासमुंद जिले के 2548 हितग्राही इस योजना का लाभ उठा रहे हैं। वहीं 7146 नागरिकों ने आवेदन किया है, जिनमें से 6620 हितग्राहियों ने वेंडर का चयन भी कर लिया है। योजना के अंतर्गत 3 किलोवाट तक के सोलर रूफ्टॉप सिस्टम पर केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपए तथा राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपए तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इससे आम नागरिकों को आर्थिक राहत मिलने के साथ ही अक्षय ऊर्जा को भी बढ़ावा मिल रहा है। महासमुंद जिले में इस योजना के प्रत्येक नागरिकों में अच्छा उत्साह देखने को मिल रहा है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए लोगों से अपील की है कि अधिक से अधिक परिवार इस योजना से जुड़कर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनें। उनका कहना है कि आज हम केवल बिजली उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि बिजली उत्पादक और पर्यावरण रक्षक भी बन सकते हैं। इमली भाठा निवासी श्रीमती ऊषा साहू ने बताया कि पीएम मुफ्त सूर्य घर योजना से उन्हें नियमित और सस्ती ऊर्जा मिल रही है। इससे बिजली बिल में काफी कमी आई है और परिवार की आर्थिक बचत भी बढ़ी है। इसी तरह महासमुंद निवासी यामिनी यदु ने बताया कि इस योजना के माध्यम से सोलर पैनल लगवाने में शासन से सब्सिडी मिली, जिससे खर्च कम हुआ। अब घर में दिनभर बिजली उपलब्ध रहती है और अतिरिक्त बिजली ग्रिड में देने से भी लाभ मिल रहा है। उनका कहना है कि इससे मकान के साथ मन भी ऊर्जित रहता है।

संक्षिप्त समाचार

रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की ने समझदार उपभोक्ताओं के लिए एक नया, अभिनव लुक पेश किया

नईदिल्ली। पर्नोड रिकार्ड इंडिया की रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की ने अपनी नई और अलग पहचान पेश की है, जो समझदारी से चयन करने की उसकी फिलॉसफी को और मजबूत करती है। यह नया लुक एक आकर्षक और ऊंचे डिजाइन के साथ पेश किया गया है, जो उन लोगों के लिए है जो चयन की शक्ति और उत्कृष्ट शिल्प की कद्र करते हैं। नए लुक में अब पहले से ज्यादा ऊंची और आकर्षक बोतल है, जो बेहद एलिगेंट दिखाई देती है। इसके साथ प्रीमियम क्लियर-ऑन-क्लियर लेबल दिया गया है, जो इस श्रेणी में पहली बार पेश किया गया है। इस उत्पाद को मास्टर ब्लेंडर केविन बाल्मफोर्थ का समर्थन प्राप्त है, जो इसकी प्रामाणिकता और विशेषज्ञता को दर्शाता है। रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की की हर बोतल 'ट्रिपल सिलेक्ट प्रॉमिस' के भरोसे के साथ तैयार की जाती है। इसमें तीन बेहतरीन विशेषताएं शामिल हैं: सिलेक्ट इंडियन ग्रेन स्पिरिट्स, सिलेक्ट स्कॉच माल्ट्स और सिलेक्ट अमेरिकन ओक बैरल में परिपक्व किया गया मिश्रण। इसका परिणाम एक ऐसा बेहतरीन ब्लेंड है, जो उच्चतम स्तर की कारीगरी और गुणवत्ता को दर्शाता है। यह ब्रांड की उस प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जिसके तहत चुनिंदा और समझदार उपभोक्ताओं के लिए असाधारण स्वाद तैयार किया जाता है।

कलर्स ने डिजिटल स्कैम्स के दौर में प्यार को नया ताज़गीभरा रंग दिया अपने प्राइमटाइम ड्रामा 'दो दुनिया

आज की दुनिया में सब कुछ बस एक क्लिक पर है—शॉपिंग, डेटिंग, कनेक्शन और धोखाधड़ी भी। ज़िंदगी स्क्रीन और असल पलों के बीच खेली जाती है। प्यार छ्रस्न्य में शुरू हो सकता है, लेकिन सच्चाई बिना फ़िल्टर सामने आती है। इसी ऑनलाइन और ऑफलाइन दुनिया के बीच के फ़र्क को दिखाते हुए कलर्स लेकर आया है 'दो दुनिया एक दिल', एक दिलचस्प प्रेमकथा जिसमें वर्चुअल वैलिडेशन और असली जज़्बात आमने-सामने आते हैं। एसओएल प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित इस शो में विक्रम सिंह चौहान शिवाय के किरदार में, राची शर्मा आध्या के रूप में और सुधांशु पांडे बलदेव सिंह के रूप में नज़र आएंगे। 'दो दुनिया एक दिल' सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे सिर्फ कलर्स और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगा। इस ड्रामा के केंद्र में है शिवाय कन्नौज शहर का एक तेज़-तर्रार, खुद से बना टेक उद्यमी, जिसने कभी विश्वास किया था कि इंटरनेट ज़िंदगियाँ बदल सकता है। लेकिन एक धोखाधड़ी ने उसकी मेहनत की कमाई छीन ली और डिजिटल दुनिया पर उसका भरोसा तोड़ दिया। इसी हादसे ने उसे स्क्रीन से दूर कर दिया और उसने ठान लिया कि अब वह कुछ असली तलाश करेगा। इसके बिल्कुल उलट है आध्या एक करिश्माई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, जिसकी ज़िंदगी रील्स, रीच और रिलवेंस पर टिकी है। उसके लिए दिखना ही ताक़त है और ऑनलाइन दुनिया ही उसका घर। जब किस्मत दोनों को आमने-सामने लाती है, तो चिंगारियाँ उठती हैं और मोहब्बत परवान चढ़ती है। लेकिन शिवाय को इस सच्चाई का अंदाज़ा नहीं है कि आध्या दरअसल बलदेव सिंह की बेटी है आगरा का सबसे ताक़तवर बिल्डर, जिसकी पकड़ शहर पर हावी है और जिसकी परछाई शिवाय की ज़िंदगी पर भी गहरी है।

महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए महिला कोष की योजनाओं का विस्तार जरूरी : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर, 10 मार्च 2026

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि छत्तीसगढ़ में रोजगार और स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं और महिला कोष की योजनाएं महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविरों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक जरूरतमंद महिलाओं तक इन योजनाओं की जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि वे इसका लाभ लेकर आत्मनिर्भर बन सकें।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े अटल नगर, नवा रायपुर स्थित मंत्रालय में छत्तीसगढ़ महिला कोष के शासी बोर्ड एवं आमसभा की बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। बैठक में महिला कोष की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 में ऋण योजना के तहत 1500 महिला स्व-सहायता समूहों को 30 करोड़ रुपये तथा सक्षम योजना के तहत 1000 पात्र महिलाओं को 14 करोड़ रुपये के ऋण वितरण की साख योजना के कार्योत्तर अनुमोदन एवं उपलब्धियों की जानकारी दी गई। साथ ही सक्षम योजना, ऋण योजना और स्वावलंबन योजना के लक्ष्यों एवं उपलब्धियों पर भी चर्चा की गई।

बैठक में यह जानकारी दी गई कि महिला स्व-सहायता समूहों को वर्तमान में द्वितीय बार अधिकतम 6 लाख रुपये तक ऋण दिए जाने का प्रावधान है। इसी प्रकार सक्षम योजना के अंतर्गत महिलाओं को अधिकतम 2 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान किया जाता है। इन प्रावधानों में आवश्यकता अनुसार संशोधन किए जाने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया।

सितंबर 2025 की स्थिति में जिलों में कुल 8 लाख 2 हजार 843 रुपये की राशि ब्याज के रूप में जमा होने की जानकारी दी गई, जिसका उपयोग महिला कोष के सॉफ्टवेयर निर्माण के लिए किए जाने पर विचार किया गया। बैठक में कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को भी पात्रता के आधार पर सक्षम योजना से लाभान्वित करने तथा योजना में महिलाओं की आयु सीमा 25 से 50 वर्ष करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई।

महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक श्रीमती शम्मी आबिदी ने बताया कि महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ महिला कोष का गठन किया गया है। इसके तहत महिलाओं को मात्र 3 प्रतिशत साधारण वार्षिक ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे स्वरोजगार और छोटे व्यवसाय प्रारंभ कर आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं।

बैठक में महिला एवं बाल विकास, वाणिज्य एवं उद्योग, आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास, समाज कल्याण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, ग्रामोद्योग, कृषि, नगरीय प्रशासन, वन तथा कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रतिनिधियों के साथ ही नेहरू युवा केन्द्र, नाबार्ड, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, भारतीय स्टेट बैंक तथा यूनिसेफ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संपादकीय

न्यायिक उत्तर ढूंढना आलसी नजरिया

बदले राजनीतिक माहौल में अदालतें न्यायिक सक्रियता दिखाने में खुद को असमर्थ पा रही हैँ, तो समाज का एक हिस्सा इसे दायित्व निर्वहन से मुंह मोड़ना मानेगा। बहरहाल, संदेश यही है कि राजनीतिक प्रश्नों का न्यायिक उत्तर ढूंढना आलसी नजरिया है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत ने स्वीकार किया है कि कथित गौ-रक्षकों की अवैध गतिविधियों और भीड़ की हिंसा को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में जो 'सामान्य दिशा-निर्देश' जारी किए, उनकी निगरानी कोर्ट के लिए संभव नहीं रह गई है। तब सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों को दिशा-निर्देश दिए थे। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस दीपक मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा था कि नस्ल, जाति, वर्ग या धर्म का बिना ख्याल किए सभी नागरिकों की ऐसे अपराधों से रक्षा करना सरकार का दायित्व है। बेंच ने ऐसी घटनाओं को रोकने, पीड़ितों से इंसाफ और मुजरिमों को दंडित करने के लिए कई उपाय तय किए। सरकारों से कहा गया कि इन उपायों पर अमल कर वे सुप्रीम कोर्ट में अनुपालना रिपोर्ट पेश करें। जाहिर है, ऐसा नहीं हुआ। उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद उस तरह की घटनाएं जारी रहीं। उनका ही जिक्र करते हुए पिछले साल सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल हुई, जिसमें संबंधित अधिकारियों पर अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की गुजारिश की गई। तभी कोर्ट ने कहा था कि विभिन्न स्थलों और विभिन्न राज्यों में हुई मॉब लिंचिंग एवं हिंसा की 'सूक्ष्म निगरानी' करना उसके लिए संभव नहीं है। यही बात जस्टिस सूर्य कांत दोहराई है। कहा है कि अदालत को ऐसे मामलों में 'सामान्य दिशा-निर्देश' देने के बजाय हर मामले पर अलग सुनवाई करनी चाहिए। इस तरह चीफ जस्टिस ने अदालती दायरे की पुनर्व्याख्या की है। संवैधानिक नजरिए से इसमें खोट नहीं निकाली जा सकती। मगर अतीत में खुद न्यायालयों ने स्वत: संज्ञान के जरिए संवैधानिक भावना की रक्षा की भूमिका अपनाई थी। इसे 'न्यायिक सक्रियता' कहा गया। मगर बदले राजनीतिक माहौल में अदालतें इस भूमिका को अपनाए रखने में खुद को असमर्थ पा रही हैँ, तो नागरिक समाज का एक हिस्सा इसे दायित्व निर्वहन से न्यायपालिका के मुंह मोड़ने के रूप में देखेगा। बहरहाल, उन समूहों के लिए संदेश यही है कि राजनीतिक प्रश्नों का न्यायिक उत्तर ढूंढना आसान एवं आलसी नजरिया है। वैसे समाधान असल में सार्वजनिक जीवन की धूल-धक्कड़ में उतर कर ही खोजे जा सकेंगे।

तेल संकट का सच

राजधानी दिल्ली, उप्र, बिहार, मप्र राज्यों के कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर वाहनों की भीड़ दिखाई दे रही है। लोग पेट्रोल-डीजल को लेकर आशंकित हैं, लिहाजा हड़बड़ी में हैं कि जितना भी तेल मिल जाए, उतना तो जमा कर लिया जाए। ग्रामीण और किसान अलग किस्म की दहशत में हैं, क्योंकि तेल का संकट गहराएगा, तो उनकी खेती प्रभावित होगी। हालांकि भारत में पाकिस्तान जैसे 'लॉकडाउन' हालात नहीं हैं। वहां एक लीटर पेट्रोल 336 रुपए और डीजल 321 रुपए में बेचा जा रहा है। आशंका है कि पाकिस्तान में कभी भी 'लॉकडाउन' घोषित किया जा सकता है। कुछ जगहों पर तो गोलियां भी चल चुकी हैं। बांग्लादेश और श्रीलंका में भी तेल-गैस का संकट गंभीर रूप ले चुका है। बहरहाल भारत काफी हद तक आश्वस्त है, लेकिन विरोधाभासी बयान डरा रहे हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा है कि भारत में तेल-गैस, ईंधन की कोई कमी नहीं है। घबराने की जरूरत नहीं है। तेल के दाम भी नहीं बढ़ेंगे। भारत के पास कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पाद, गैस का 25 दिनों का भंडार है। मंत्री जी के बयान के अगले दिन ही तेल कंपनियां घरेलू एलपीजी (रसोई गैस) के दाम 60 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़ा देती हैं और कमर्शियल सिलेंडर 114.50 रुपए महंगा कर दिया जाता है। अब औसत घर को रसोई गैस का सिलेंडर 900-1000 रुपए से भी ज्यादा महंगा मिलेगा। यह कौनसा सच है, मंत्री जी? बेशक 'उज्ज्वला' योजना के करीब 10.5 करोड़ लाभार्थियों को बढ़े दामों से अलग रखा गया है। उन्हें तो प्रति सिलेंडर 300 रुपए की सबसिडी भी मिलती है। इस तरह देश में 23 करोड़ उपभोक्ता इस महंगाई के शिकार होंगे। कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और गैस के भंडारण पर अलग-अलग बयान आ रहे हैं। कतर एलएनजी की 'महाशक्ति' है। वह 40 फीसदी से अधिक एलएनजी भारत को सप्लाई करता रहा है, लेकिन ईरान के लगातार हमलों के बाद कतर ने तेल-गैस का उत्पादन ही बंद कर दिया है। कतर के ऊर्जा मंत्री ने आगाह किया है कि कच्चे तेल की कीमतें 150 डॉलर तक उछल सकती हैं। युद्ध के कारण कच्चे तेल के दाम 95 डॉलर प्रति बैरल तक तो पहुंच चुके हैं। भारत करीब 85 फीसदी एलपीजी मध्य-पूर्व के देशों से ही आयात करता है और वह सप्लाई होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से ही होती रही है। ईरान के लड़ाकों ने यह मार्ग बंद कर रखा है, जाहिर है कि हमारा 50 फीसदी तेल-गैस बाधित है। एक बयान आया है कि देश में 25 करोड़ बैरल से अधिक कच्चे तेल का भंडार है, गैस भी पर्याप्त है, कुल मिला कर 7-8 सप्ताह का भंडार है, लेकिन विशेषज्ञों के भी बयान आ रहे हैं कि भारत में कुल 10 करोड़ बैरल ही कच्चा तेल है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार बयानबाजी कर रहे हैं कि तेल और गैस का संकट बढ़ रहा है। कीमतें बढ़ने लगी हैं और सरकार ने देश की संप्रभुता और विदेश नीति अमरीका को बंधक रख दी है। ऐसे बयान देश-विरोधी, भ्रमित और अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। अमरीकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक बयान दिया था कि ईरान युद्ध के मद्देनजर अमरीका भारत को रूसी तेल खरीदने की, 30 दिन की, 'अस्थायी छूट' देता है। ऐसे बयानों पर विरोधियों और पूर्वाग्रही विशेषज्ञों को तब बिलबिलाना चाहिए, जब भारत सरकार ने ऐसी 'छूट' की मांग की हो अथवा हमने रूस से कच्चा तेल लेना बंद कर दिया हो। फरवरी, 2026 में भी भारत ने 10 लाख बैरल से अधिक कच्चा तेल रूस से आयात किया है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के 'बड़बोले' बयानों के बावजूद भारत रूस से तेल खरीदता रहा है और अब गैस का आयात भी बढ़ाएगा। जनवरी, 2026 में भारत ने रूस से 1.98 अरब डॉलर मूल्य का कच्चा तेल आयात किया था। रूस आगामी 30 दिनों में करीब 95 लाख बैरल तेल भारत को भेज सकता है।

आकर्षक विज्ञापन, चमकदार पैकेजिंग और भ्रामक दावे

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत का पोषण परिदृश्य तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। लंबे समय तक सार्वजनिक नीति का केंद्र भूख, कुपोषण और खाद्य उपलब्धता रहा, परंतु आज देश दोहरे पोषण संकट का सामना कर रहा है। एक ओर बच्चों और महिलाओं में अल्पपोषण, रक्ताल्पता और अवरुद्ध वृद्धि जैसी समस्याएँ बनी हुई हैं, तो दूसरी ओर मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी असंचारी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और मानवीय विकास से भी जुड़ी हुई है।

इस परिवर्तन के पीछे खाद्य उपभोग की आदतों में आया बदलाव एक महत्त्वपूर्ण कारण है। पारंपरिक घरेलू भोजन की जगह अब डिब्बाबंद, पैकेटबंद और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की खपत बढ़ी है। इन उत्पादों में प्राय: शर्करा, नमक और संतृप्त वसा की मात्रा अधिक होती है। आकर्षक विज्ञापन, चमकदार पैकेजिंग और भ्रामक दावे उपभोक्ताओं को यह विश्वास दिलाते हैं कि ये उत्पाद सुरक्षित या स्वास्थ्यवर्धक हैं। परिणामस्वरूप उपभोक्ता वास्तविक पोषण मूल्य को समझे बिना निर्णय ले लेते हैं।

ऐसे परिवेश में पैकेज के अग्रभाग पर स्पष्ट और सरल लेबलिंग की आवश्यकता उभरकर सामने आती है। पारंपरिक पोषण तालिकाएँ प्राय: पैकेट के पीछे छोटे अक्षरों में दी जाती हैं, जिन्हें समझना सामान्य उपभोक्ता के लिए कठिन होता है। इसके विपरीत, पैकेज के सामने बड़े और स्पष्ट संकेत—जैसे उच्च शर्करा, उच्च नमक या उच्च वसा—उपभोक्ता को तुरंत सचेत कर सकते हैं। यह व्यवस्था सूचना को जटिलता से निकालकर व्यवहारिक स्तर पर उपलब्ध कराती है।

सूचित विकल्प का अधिकार उपभोक्ता संरक्षण का मूल आधार है। किंतु भोजन के संदर्भ में यह अधिकार केवल बाज़ार संबंधी नहीं, बल्कि जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा हुआ है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जिसकी न्यायिक व्याख्या में स्वास्थ्य का अधिकार भी सम्मिलित है। यदि नागरिक को यह जानकारी ही उपलब्ध न हो कि कोई खाद्य पदार्थ उसके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है या नहीं, तो जीवन के अधिकार की सार्थकता अधूरी रह जाती है। अत: स्पष्ट लेबलिंग स्वास्थ्य के संवैधानिक अधिकार को व्यावहारिक रूप देने का साधन बन सकती है। बाज़ार व्यवस्था में उत्पादक और उपभोक्ता के बीच सूचना का असंतुलन एक सामान्य स्थिति है। उत्पादक को अपने उत्पाद की संरचना, अवयवों और संभावित प्रभावों की पूरी जानकारी होती है, जबकि उपभोक्ता सीमित जानकारी के आधार पर निर्णय लेता है। पैकेज के अग्रभाग पर लेबलिंग इस असंतुलन को कम करने का प्रयास करती है। जब जानकारी सरल, प्रत्यक्ष और चेतावनी के रूप में दी जाती है, तो उपभोक्ता अधिक सजग होकर चयन करता है।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव इस दृष्टिकोण की प्रभावशीलता को प्रमाणित करते हैं। उदाहरण के लिए, चिली में लागू स्पष्ट चेतावनी लेबलों के बाद उच्च शर्करा और उच्च वसा वाले उत्पादों की खपत में कमी देखी गई। इससे यह सिद्ध होता है कि यदि जानकारी सुलभ और स्पष्ट हो, तो उपभोक्ता व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

निवारक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह व्यवस्था अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। असंचारी बीमारियों के उपचार पर होने वाला व्यय परिवारों और सरकार दोनों के लिए भारी पड़ता है। यदि आहार संबंधी जोखिम कारकों को प्रारंभिक स्तर पर ही नियंत्रित किया जाए, तो दीर्घकाल में रोग-भार कम किया जा सकता है। सरल लेबलिंग उपभोक्ता को दैनिक जीवन के छोटे निर्णयों में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का अवसर देती है। यह उपचार के बजाय रोकथाम पर बल देने वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति को सुदृढ़ करती है।

विश्व स्तर पर भी स्पष्ट और व्याख्यात्मक लेबलिंग प्रणालियों को प्रभावी माना गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यह रेखांकित किया है कि विशेषकर विकासशील देशों में सरल और चेतावनी-आधारित संकेत उपभोक्ता समझ को बढ़ाते हैं तथा आहार संबंधी व्यवहार में परिवर्तन लाने में सहायक होते हैं। यह केवल उपभोक्ता को ही नहीं, बल्कि उत्पाद निर्माताओं को भी अपने उत्पादों की संरचना में सुधार के लिए प्रेरित करता है।

उद्योग जगत का एक वर्ग यह तर्क देता है कि कठोर लेबलिंग से बिक्री घट सकती है और छोटे उत्पादक प्रभावित हो सकते हैं। किंतु अनुभव यह दर्शाता है कि जब स्पष्ट मानक निर्धारित होते हैं, तो उद्योग नवाचार और पुनर्संरचना के माध्यम से स्वयं को अनुकूलित कर लेता है। यदि उपभोक्ता उच्च शर्करा या नमक वाले उत्पादों से बचने लगते हैं, तो उत्पादक स्वाभाविक रूप से उनके स्तर को कम करने का प्रयास करते हैं। इस प्रकार लेबलिंग स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है।

भारतीय संदर्भ में खाद्य नियमन का दायित्व भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के पास है। साथ ही, भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने भी जनस्वास्थ्य से जुड़े विषयों में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व पर बल दिया है। यह स्पष्ट संकेत है कि खाद्य लेबलिंग केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि व्यापक सार्वजनिक हित का विषय है।

फिर भी इस व्यवस्था के क्रियान्वयन में कई चुनौतियाँ हैं। पहली चुनौती उद्योग का प्रतिरोध है, जो इसे आर्थिक दृष्टि से हानिकारक मानता है। दूसरी चुनौती लेबलिंग के स्वरूप को लेकर मतभेद है—क्या चेतावनी आधारित मॉडल अपनाया जाए या किसी प्रकार की श्रेणीकरण प्रणाली। तीसरी चुनौती प्रवर्तन और निगरानी की है, क्योंकि देश में लाखों खाद्य उत्पाद उपलब्ध हैं। चौथी चुनौती उपभोक्ता साक्षरता की है, विशेषकर ग्रामीण और निम्न आय वर्गों में, जहाँ पोषण संबंधी जागरूकता सीमित है।

इन चुनौतियों का समाधान संतुलित और चरणबद्ध नीति के माध्यम से संभव है। व्यापक जन-जागरूकता अभियान, सरल प्रतीकों का प्रयोग और कठोर प्रवर्तन तंत्र इस दिशा में सहायक हो सकते हैं। विद्यालयों और सामुदायिक स्तर पर पोषण शिक्षा को सुदृढ़ करना भी आवश्यक है, ताकि लेबलिंग का संदेश प्रभावी ढंग से समझा जा सके।

अंतत:, पैकेज के अग्रभाग पर लेबलिंग बदलते पोषण परिदृश्य में सूचित विकल्प के अधिकार को सशक्त बनाने का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है। यह उपभोक्ता को निष्क्रिय खरीदार से सक्रिय और जागरूक नागरिक में रूपांतरित करती है। पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और निवारक

स्वास्थ्य के सिद्धांतों पर आधारित यह व्यवस्था भारत को उपचार-केंद्रित दृष्टिकोण से हटाकर स्वास्थ्य-उन्मुख खाद्य प्रणाली की ओर अग्रसर कर सकती है। यदि इसे दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक आधार और सामाजिक सहभागिता के साथ लागू किया जाए, तो यह एक स्वस्थ, सक्षम और जागरूक भारत की दिशा में निर्णायक कदम सिद्ध हो सकती है।

सामाजिक संतुलन की नई बिसात है छत्तीसगढ़ की राज्यसभा राजनीति?

रूमासेनगुप्ता

(लेखिका पत्रकार हैं)

राज्यसभा के लिए छत्तीसगढ़ से हुए हालिया चुनाव ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य की राजनीति केवल दलों के बीच प्रतिस्पर्धा भर नहीं है, बल्कि वह गहरे सामाजिक समीकरणों की जमीन पर खड़ी है। भारतीय जनता पार्टी की ओर से लक्ष्मी वर्मा और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से फूलोदेवीनेताम का राज्यसभा में पहुंचना दरअसल उस व्यापक राजनीतिक संदेश को सामने लाता है, जो छत्तीसगढ़ की सामाजिक संरचना और चुनावी गणित दोनों से जुड़ा हुआ है।

छत्तीसगढ़ की राजनीति को समझने के लिए उसके सामाजिक ढांचे को समझना जरूरी है। राज्य में आदिवासी समाज लगभग एक तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग 40 प्रतिशत से अधिक माना जाता है। यही कारण है कि यहां की राजनीति में सामाजिक प्रतिनिधित्व केवल एक प्रतीकात्मक विषय नहीं, बल्कि सत्ता के संतुलन का आधार बन चुका है। संसद हो या विधानसभा, राजनीतिक दल यह भली-भांति जानते हैं कि समाज के बड़े वर्गों की भागीदारी के बिना दीर्घकालिक राजनीतिक आधार तैयार नहीं किया जा सकता।

ऐसे परिदृश्य में लक्ष्मी वर्मा का चयन केवल एक राजनीतिक नियुक्ति नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है। वे कुर्मी समुदाय से आती हैं, जो अन्य पिछड़ा वर्ग का एक प्रभावशाली घटक है और जिसकी छत्तीसगढ़ में अनुमानित हिस्सेदारी 6 से 8 प्रतिशत के बीच मानी जाती है। यह समुदाय विशेष रूप से मध्य छत्तीसगढ़ के मैदानी क्षेत्रों में सामाजिक और आर्थिक रूप से सक्रिय है। भाजपा ने लक्ष्मी वर्मा को राज्यसभा में भेजकर कई संदेश एक साथ देने की कोशिश की है—महिला नेतृत्व को आगे लाने का संकेत, संगठन के प्रति लंबे समय से सक्रिय कार्यकर्ताओं को सम्मान और ओबीसी समाज के भीतर प्रभावशाली समूहों को प्रतिनिधित्व। लेकिन इन सबके बीच यह बात भी सही है कि लक्ष्मी वर्मा लंबे समय से भाजपा में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं और कई बड़ी जिम्मेदारियां सफलता के साथ पूरी कर चुकी है।

दूसरी ओर कांग्रेस की राजनीति में फूलोदेवीनेताम की उपस्थिति उस ऐतिहासिक सामाजिक आधार की याद दिलाती है, जिस पर पार्टी ने लंबे समय तक अपनी राजनीतिक जमीन तैयार की है। फूलोदेवीनेतामअनुसूचित जनजाति समाज से आती हैं और उनकी पहचान आदिवासी समुदाय की आवाज को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने वाले नेताओं में रही है। छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में, जहां बस्तर और सरगुजा जैसे विशाल आदिवासी क्षेत्र राजनीतिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हैं, वहां आदिवासी नेतृत्व को राष्ट्रीय राजनीति में स्थान देना कांग्रेस की स्वाभाविक रणनीति का हिस्सा माना जाता है।

दिलचस्प तथ्य यह है कि दोनों दलों की राजनीतिक दिशा अलग होते हुए भी उनका संदेश कहीं न कहीं समान दिखाई देता है। भाजपा ओबीसी और महिला प्रतिनिधित्व के संयोजन के जरिए अपने सामाजिक आधार को विस्तार देने की कोशिश कर रही है, जबकि कांग्रेस आदिवासी नेतृत्व को सामने रखकर अपने पारंपरिक समर्थन आधार को मजबूत बनाए रखना चाहती है। यह भी सच है कि पिछले कुछ वर्षों में छत्तीसगढ़ की राजनीति में सामाजिक प्रतिनिधित्व का सवाल और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। अब राजनीति केवल विचारधारा या चुनावी वादों तक सीमित नहीं रह गई है; समाज के विभिन्न वर्गों को सत्ता और निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी देना भी उतना ही आवश्यक हो गया है। लक्ष्मी वर्मा और फूलोदेवीनेताम की राज्यसभा में मौजूदगी इसी बदलती राजनीतिक समझ का संकेत देती है। एक ओर ओबीसी समाज की आकांक्षाओं को मंच मिलता है, तो दूसरी ओर आदिवासी समाज की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर अभिव्यक्ति मिलती है। यही वजह है कि इस चुनाव को केवल दो नेताओं की व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। दरअसल यह छत्तीसगढ़ की राजनीति में उस व्यापक सामाजिक संतुलन की झलक है, जिसके सहारे आने वाले वर्षों की राजनीतिक दिशा तय होने वाली है।

औषधीय और सुगंधित पौधे: स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण

डब्ल्यूडब्ल्यूडी को सीआईटीईएस (वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर समझौते) को स्वीकार करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

डब्ल्यूडब्ल्यूडी 2026 का विषय औषधीय और सुगंधित पौधे: स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण है, जो स्वास्थ्य और आजीविका के लिए पादप संबंधी संसाधनों के महत्व पर प्रकाश डालता है।

लगभग 15,000 औषधीय पौधों की प्रजातियों के साथ भारत जैव विविधता से समृद्ध 17 विशाल देशों में से एक है। इनमें से 8,000 का उपयोग भारतीय औषधियों में किया जाता है जिससे यह औषधीय और सुगंधित पौधों के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक बन गया है।

राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली की ओर से संरक्षित 9,361 औषधीय और सुगंधित पौधों के साथ भारत प्राकृतिक पर्यावास और उससे बाहर विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण के प्रयासों के माध्यम से सक्रिय रूप से औषधीय और सुगंधित पौधों को नष्ट होने से बचाने में लगा हुआ है।

विश्व में प्रति वर्ष 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से वन्य जीवों और वनस्पतियों के सम्मान और लोगों तथा पृथ्वी के लिए उनके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए घोषित यह दिन वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर समझौते (सीआईटीईस) को स्वीकार करने का प्रतीक है जो यह सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता को मजबूत करता है कि वन्यजीवों से संबंधित व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है। यह दिवस इस बात को रेखांकित करता है कि वन्यजीव न केवल प्रकृति की सुंदरता का हिस्सा हैं बल्कि खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, आजीविका, जलवायु परिवर्तन से निपटने की सामर्थ्य और सतत विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे समय में जब जैव विविधता को वन्यजीवों के निवास स्थान के विनाश, अत्यधिक शोषण, अवैध व्यापार और जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है तब विश्व वन्यजीव दिवस वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जैविक संसाधनों के संरक्षण और स्थायी रूप से उपयोग करने के लिए एक वैश्विक आह्वान है।

विश्व वन्यजीव दिवस 2026 का विषय - औषधीय और सुगंधित पौधे: स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण - दवाइयों के लिए उपयोग में लाए जाने वाले पौधों के महत्व, सांस्कृतिक परंपराओं को बचाने में उनकी भूमिका और स्थानीय समुदायों को उनसे होने वाली आय पर बल देता है। संपूर्ण विश्व में विकासशील के 70-95 प्रतिशत लोग आधारभूत स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पारंपरिक औषधियों पर निर्भर करते हैं जिसमें से अधिकतर पौधों से मिलने वाले संसाधनों से प्राप्त होती हैं। औषधीय और सुगंधित पौधे पारंपरिक औषधीय प्रणाली की नींव हैं और आधुनिक दवा निर्माण उद्योग में भी अहम योगदान देते हैं। स्वास्थ्य के लिए उपयोग के अतिरिक्त ये पौधे परागण के लिए कीट और पक्षियों की सहायता करके, मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर और जैव विविधता को बढ़ाकर पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करते हैं। इसलिए उनका संरक्षण विशेष रूप से भारत जैसे से भरपूर देशों के लिए वैश्विक प्राथमिकता का विषय है।

भारत में औषधीय और सुगंधित पौधों की समृद्ध जैव विविधता- वन्यजीव दिवस 2026 का विषय भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत जैव विविधता से समृद्ध विश्व के 17 विशाल देशों में से एक है और विश्व की जैव-विविधता का 7 प्रतिशत भाग इसी देश में है। यहां 15 कृषि-जलवायु क्षेत्र, 45,000 विभिन्न पौधों की प्रजातियां हैं जिनमें से 15,000 औषधीय पौधे हैं। इनमें से लगभग 8,000 प्रजातियों का उपयोग भारतीय चिकित्सा प्रणालियों और लोक चिकित्सा प्रणालियों में किया जाता है। भारत के लगभग 70 प्रतिशत औषधीय और सुगंधित पौधे (एमएपी) पश्चिमी और पूर्वी घाट, हिमालय और अरावली क्षेत्र के उष्णकटिबंधीय जंगलों में पाए जाते हैं।

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण ने 5,250 से अधिक पौधों की प्रजातियों की पहचान की है और विभिन्न रोगों के संबंध में उपयोग के लिए 9,567 से अधिक लोक दावों का प्रलेखण किया है। भारत इस समृद्ध विरासत की रक्षा के लिए कड़े कदम उठा रहा है। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) की ओर से औषधीय पौधों के संरक्षण और सतत प्रबंधन के लिए समर्पित योजना चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण, अनुसंधान और विपणन में सहायता प्रदान की जाती है। ये प्रयास औषधीय पौधों की अपनी समृद्ध विरासत की सुरक्षा के लिए भारत की मजबूत और अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

संरक्षण तंत्र- भारत ने औषधीय और सुगंधित पौधों की अपनी समृद्ध विरासत को बचाने के लिए मजबूत और कई स्तरों वाला तरीका अपनाया है।

प्राकृतिक पर्यावासों में (इन-सीटू) संरक्षण- प्राकृतिक पर्यावासों में यथास्थान (इन-सीटू) संरक्षण का अर्थ है पौधों और जानवरों को उनकी उत्पत्ति के प्राकृतिक स्थलों पर सुरक्षित रखना। यह कार्य राष्ट्रीय उद्यानों, बायोस्फीयर रिजर्व और जीन अभयारण्यों के माध्यम से किया जाता है। औषधीय पौधों के लिए इस तरह के संरक्षण का एक महत्वपूर्ण उदाहरण औषधीय पादप संरक्षण क्षेत्र पहल (एमपीसीए) है। एमपीसीए एक नामित स्थल है जिसका उद्देश्य औषधीय पौधों की प्रजातियों को उनके प्राकृतिक आवासों में संरक्षित करना है। वर्तमान में भारत में 108 एमपीसीए साइट हैं जो यथास्थान (इन-सीटू) संरक्षण तकनीकों का उपयोग करके जैविक और सांस्कृतिक विविधता के साथ-साथ स्वदेशी स्वास्थ्य परंपराओं को लागू करने के लिए उपयुक्त मॉडल का प्रतिनिधित्व करते हैं।

प्राकृतिक पर्यावास से बाहर (एक्स-सीटू) संरक्षण- एक्स-सीटू संरक्षण का अर्थ है अपने प्राकृतिक आवासों के बाहर नियंत्रित परिस्थितियों में पौधों के आनुवंशिक संसाधनों की सुरक्षा करना ताकि दीर्घकालिक रूप से संरक्षण और जंगलों में संभावित रूप से उन्हें पुन: लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। भारत में, इसके अंतर्गत राष्ट्रीय बीज जीन बैंक, राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (एनबीपीजीआर), नई दिल्ली में 9,361 औषधीय और सुगंधित पौधों (एमएपी) का संरक्षण शामिल है। इन एक्स-सीटू विधियों का उपयोग खराब बीजों की उत्पत्ति या वानस्पतिक प्रसार वाली प्रजातियों के लिए किया जाता है। साथ में, वे भविष्य में उपयोग के लिए औषधीय पौधों की विविधता को सुरक्षित करने में मदद करते हैं।

प्रमुख सरकारी योजनाएं और पहल- सरकार ने देश भर में औषधीय पौधों के संरक्षण, खेती और सतत उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कई प्रमुख योजनाएं और पहल शुरू की हैं।

राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम)- राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) आयुष मंत्रालय की प्रमुख योजना है जिसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के माध्यम से लागू किया गया है। यह फसलों की विविधता में सहायता करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि प्रणालियों के साथ जोड़कर औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देता है। यह मिशन गुणवत्ता में सुधार और मूल्य वर्धित आयुष उत्पादों के संबंध में सहयोग के लिए अच्छी कृषि और संग्रह के तौर-तरीकों (जीएसीपी) का पालन करते हुए खेती को प्रोत्साहित करता है।

एनएएम आयुर्वेदिक, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी (एएसयू एंड एच) दवाओं के गुणवत्ता नियंत्रण को भी मजबूत करता है, उनके लिए कच्चे माल की स्थायी उपलब्धता सुनिश्चित करता है और एक औषधीय पौधों के मजबूत क्षेत्र को विकसित करने के लिए अनुसंधान, प्रसंस्करण और विपणन में सार्वजनिक-निजी सहयोग को बढ़ावा देता है।

शास्त्रों के अनुसार हाथों की रेखाओं का शुभ संकेत

आमतौर पर जब हम किसी व्यक्ति से मिलते हैं उसके हाव-भाव से उसके अच्छे व बुरे व्यवहार का अंदाजा लगाते हैं। वहीं शास्त्रों के अनुसार हाथों की रेखाएं देखकर भी भविष्य में होने वाली अच्छी व बुरी बातों का संकेत मिलता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि किसी व्यक्ति के शरीर पर मौजूद निशान भी कुछ खास व अनोखे संकेत देते हैं।

जी हां, सामुद्रिक शास्त्र में ऐसी ही बहुत ही बातों का जिक्र किया गया है जिसके जरिए आप किसी व्यक्ति के शरीर की बनावट व उसके चिन्हों से उसके व्यवहार का ही नहीं, बल्कि भविष्य का भी पता लगा सकते हैं। आज हम लड़कियों के शरीर पर मौजूद कुछ चिन्हों की बात कर रहें हैं जो कि सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार बहुत ही शुभ माने जाते हैं। ऐसा शुभ चिन्ह वाली लड़कियां खुद के लिए ही नहीं, बल्कि अपने परिवार और पति के लिए भी बहुत शुभ होती हैं।

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार जिस लड़की की आईब्रो यानि भौहें आपस में जुड़ी हुई होती हैं वह महत्वाकांक्षी और कर्मठ होती हैं। ऐसी लड़कियां किस्मत की धनी होती है और अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए भरपूर मेहनत करती हैं। ऐसी लड़कियां अपनी ही नहीं बल्कि अपने पति की भी किस्मत बदल देती हैं।

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार जिन लड़कियों के कान पर हल्की लालिमा होती है वह खुद के लिए बहुत ही लकी होती हैं और अपने कार्य को लगन के साथ पूरा करती हैं। ऐसी लड़कियां स्वयं के साथ ही परिवार ओर पति के लिए बेहद ही भाग्यशाली साबित होती हैं।

जिस लड़की की हथेली कोमल हो और उस पर हल्की सी लालिमा दिखाई देती है तो उसे भी सामुद्रिक शास्त्र में लकी माना गया है। इसके अलावा जिन लड़कियों की हथेली के बीच का भाग थोड़ा सा उठा हुआ होता है उनकी किस्मत में बहुत पैसा होता है। साथ ही उनके साथ रहने वालों को कभी पैसों की कमी नहीं होती।

सामुद्रिक शास्त्र के मुताबिक जिन लड़कियों के पैर का तलवा चिकना, मांसल और शुभ चिंहों से युक्त होता है उन्हें अपने जीवन में हर खुशी मिलती है। इन लड़कियों को एक अच्छा लाइफ पार्टनर भी मिलता है और शादी के बाद अपने पति के किस्मत में भी खुशियां लेकर आती हैं।

जिन लड़कियों का माथा चौड़ा होता है उन्हें भी सामुद्रिक शास्त्र में भाग्यशाली बताया गया है। ऐसी लड़कियां जिस घर में जाती हैं वहां कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती।

ट्राई करें बादाम से बनें ये फेस पैक

बादाम के फायदों से तो हर कोई वाकिफ है। छोटा हो या बड़ा बादाम हर किसी के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन क्या आपको इसके त्वचा को मिलने वाले फायदों के बारे में पता है? बादाम आपकी त्वचा को कई लाभ पहुंचाते हैं क्योंकि उनमें पोषक तत्व होते हैं, जिनमें कई प्रकार के विटामिन, प्रोटीन और मिनरल शामिल हैं। बादाम फेस पैक एक सदियों पुराना नुस्खा है। महिलाएं हमेशा अपनी त्वचा को निखारने के लिए चेहरे पर बादाम पेस्ट लगाती हैं। बादाम का कोई भी फेस पैक उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने, चमक लाने का काम करता है। ऐसे में आज हम आपको ऐसे बादाम फेस पैक के बारे में बताएंगे जो आपकी त्वचा को निखारने का काम करेंगे।

आजमाकर देखें ये पैक-

रात भर बादाम को भिगोएं और इन्हें पीस लें। इसे कच्चे दूध के साथ मिलाएं और सूखने तक अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। कुछ समय बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। इसके नियमित उपयोग से आपकी त्वचा पर पड़ गाले धब्बे हट जाएंगे और रंग में निखार आने लगेगा साथ ही स्किन भी कोमल हो जाएगी। यह संवेदनशील त्वचा के लिए भी फायदेमंद है।

पपीते के साथ बादामः

आप पपीते के साथ पिसे हुए बादाम भी मिला सकते हैं। यह आपकी त्वचा के रंग को निखारने में मदद करता है। इसे कुछ देर तक चेहरे पर लगाएं और कुछ समय बाद धो लें।

बादाम और मुल्तानी मिट्टीः

मुल्तानी मिट्टी से तैलीय त्वचा को भी फायदा होता है जिससे चिकनापन कम हो जाता है। बादाम को मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल के साथ मिलाकर लगाने से आपको फायदा मिलेगा।

ऑयली त्वचा के लिए बादाम फेस पैकः

यदि आपकी त्वचा ऑयली है और मुहांसों की समस्या है, तो बादाम को रात भर पानी में भिगोकर पीस लें। इसे दही के साथ मिलाकर एक पेस्ट बनाएं और इसे स्किन और पिंपल्स पर लगाएं। इससे आपको पिंपल्स से छुटकारा मिलेगा और तैलीयपन की जगह चमक आएगी।

दूध वाला फेस पैकः

शुष्क त्वचा वाली महिलाओं के लिए पिसे हुए बादाम, दलिया और दूध वाला फेस पैक तैयार कर सकती हैं। इसके लिए भी आपको बादाम को भिगोकर पीसना होगा। यह पेस्ट डेड सेल्स को हटाता है और आपकी त्वचा को नमी प्रदान करता है।

रंग को निखारने के लिए करें ये कामः

यदि आप अपनी त्वचा के रंग को निखारना चाहती हैं तो पिसे हुए बादाम और नींबू का रस को मिलाकर चेहरे पर लगा सकती हैं। फेस पैक से स्किन पर जमे दाग-धब्बे और टैनिंग हल्की होने लगती है। आप चंदन पाउडर, पिसे हुए बादाम और दूध से भी पेस्ट बना सकते हैं। ये भी स्किन के रंग को निखारता है।

सुबह 5 बजे उठने से मिलते हैं ये अद्भुत फायदे

अक्सर आपने कई लोगों से सुना होगा कि रात में जल्दी सोने और सुबह जल्दी उठने से शरीर तंदुरुस्त रहता है। आयुर्वेद के अनुसार सुबह जल्दी उठने से न सिर्फ शारीरिक तौर पर फीट रहते हैं, बल्कि मानसिक रूप से होने वाली परेशानीयां भी दूर होती हैं।

बड़े-बुजुर्गों का भी मानना होता है कि सुबह सुर्योदय से पहले उठने और सुर्य देव के दर्शन करने से दिनभर पॉजिटिव एनर्जी रहती है। आइए जानते हैं कि सुबह 5 बजे उठना सेहत के लिए कितना फायदेमंद होता है और इससे बॉडी में क्या-क्या बदलाव देखने को मिलते हैं।

- सुबह जल्दी उठने से आप खुद पर ज्यादा ध्यान दे पाते हैं। एक्सरसाइस से लेकर ब्रेकफास्ट के लिए आसानी से समय मिल जाता है, जिससे बॉडी दिनभर एक्टिव रहती है।
- सुबह जल्दी उठने के लिए रात को जल्दी सोना चाहिए, ताकि दिन में ज्यादा से ज्यादा समय काम को पूरा करने के लिए मिल सकता है और आलस भी नहीं आता। वही व्यक्ति की दिनचर्या में भी सुधार आता है।
- सुबह 5 बजे उठने से योग और एक्सरसाइज के करने का भी समय मिलता है, जिससे शरीर दुरुस्त रहता है। सुबह एक्सरसाइज करने से न केवल बढ़ते वजन को कम किया जाता है, बल्कि इससे बॉडी फीट भी रहती है।
- जल्दी उठने से दिमाग शांत और एकाग्र रहने में मदद मिलती है, जिससे काम करने मन लगा रहता है। इससे आत्मविश्वास का भी विकास होता है।
- कई लोगों को रात के समय में भूख लगती है वहीं वो सुबह देर से उठने के कारण खाना भी देर से खाते हैं। सुबह उठने से खान-पान से लेकर हेल्दी लाइफस्टाइल पर आसानी से ध्यान दे सकते हैं।
- जल्दी उठना न केवल सेहत के लिए अच्छा होता है, बल्कि आसापास का माहौल भी सकारात्मक रहता है।

वास्तु दोष निवारण के सबसे असरदार 5 उपाय

आज के आधुनिक समय में हर व्यक्ति अपने जीवन में शांति, सफलता और स्थिरता चाहता है, लेकिन अनजाने में किए गए निर्माण दोष या गलत दिशा में रखी वस्तुएं जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं। ऐसे में वास्तु दोष निवारण के प्रभावशाली उपाय अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं। अच्छी बात यह है कि हर बार तोड़-फोड़ या महंगे बदलाव की जरूरत नहीं होती, बल्कि सरल वास्तु उपाय, सकारात्मक ऊर्जा संतुलन और सही दिशा ज्ञान से भी बड़े से बड़े वास्तु दोष को शांत किया जा सकता है।

1. मुख्य द्वार पर 'स्वास्तिक' और 'तोरण'

घर का मुख्य द्वार सकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश का सबसे बड़ा स्रोत होता है।

उपाय: प्रवेश द्वार पर सिंदूर और घी मिलाकर 9 अंगुल लंबा और चौड़ा स्वास्तिक बनाएं। इसके अलावा, द्वार पर आम या अशोक के पत्तों का तोरण लटकाएं। यह नकारात्मक ऊर्जा को घर में प्रवेश करने से रोकता है।

2. समुद्री नमक का प्रयोग

Sea Salt यानी समुद्री नमक नकारात्मकता को सोखने की अद्भुत क्षमता रखता है।

उपाय: घर के कोनों में या बाथरूम में एक कांच की कटोरी में समुद्री नमक भरकर रखें और इसे हर हफ्ते बदल दें। साथ ही, हफ्ते में कम से कम एक बार विशेषकर शनिवार को पानी में नमक मिलाकर पोछा लगाएं। इससे घर की दूषित ऊर्जा साफ होती है।

3. कपूर और दीपक का नियम

घर में अग्नि और सुगंध का संतुलन वास्तु दोषों को शांत करता है।

उपाय: प्रतिदिन सुबह और शाम को कपूर जलाकर पूरे घर में उसका धुआं दिखाएं। इसके अलावा, घर के उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) में घी का दीपक जलाने से घर में देवदोष और वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है।

4. ईशान कोण की सफाई और जल कलश

घर का उत्तर-पूर्व कोना यानी ईशान कोण सबसे पवित्र माना जाता है। यदि यहां कोई भारी सामान या गंदगी हो, तो गंभीर वास्तु दोष उत्पन्न होता है।

उपाय: इस कोने को हमेशा साफ और खाली रखें। यहां एक तांबे के लोटे में गंगाजल या शुद्ध जल भरकर रखें। यदि संभव हो, तो यहां एक छोटा सा इनडोर वाटर फाउंटेन या एक्वेरियम भी रखा जा सकता है।

5. श्री यंत्र या पिरामिड की स्थापना

ऊर्जा को पुनर्जीवित करने के लिए यंत्रों का उपयोग बहुत प्रभावी होता है।

उपाय: अपने घर के मंदिर में श्री यंत्र की स्थापना करें और उसकी नियमित पूजा करें। यदि घर के किसी खास हिस्से में वास्तु दोष है, जैसे गलत दिशा में शौचालय या रसोई, हो तो वहां वास्तु पिरामिड रखने से उस दिशा की नकारात्मकता काफी हद तक नियंत्रित हो जाती है।

आज का राशिफल

मेष राशि - लाभ के अवसर हाथ आएंगे। बाहरी सहायता से कार्यों में गति आएगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। शारीरिक कष्ट की आशंका है, अतः लापरवाही से बचें। प्रसन्नता बनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

वृषभ राशि - चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि की आशंका है। विवाद को बढ़ावा न दें। अतिउत्साह हानिप्रद रहेगा। कुसंगति से बचें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी उलझन में फंस सकते हैं। विवेक से निर्णय लें। सार्वजनिक स्थान पर लोगों का ध्यान नहीं खींच पाएंगे। धैर्य रखें।

मिथुन राशि - संबंधियों तथा मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। स्वास्थ्य कमजोर होगा। किसी बाहरी व्यक्ति पर भरोसा न करें।

कर्क राशि - दुःखद समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। आय होगी। धैर्य रखें।

सिंह राशि - स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा, साक्षात्कार व करियर संबंधी कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। जोखिम न उठाएं। थकान महसूस होगी।

कन्या राशि - शैक्षणिक व शोध इत्यादि कार्यों के परिणाम सुखद रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी कार्य में उत्साह व प्रसन्नता से सफलता प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेशादि लाभदायक रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा। जल्दबाजी न करें।

तुला राशि-यात्रा लाभदायक रहेगी। काफी समय से रुका हुआ धन प्राप्ति के आसार हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक राशि - राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धार्मिक कृत्यों में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता रहेगी। थकान महसूस होगी। किसी लंबे प्रवास की योजना बनेगी। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

धनु राशि- बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। प्रतिद्वंद्वी पस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई रुका हुआ कार्य पूर्ण होने के योग हैं।

मकर राशि - घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। लंबे प्रवास की योजना बनेगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी से बचें।

कुंभ राशि-नई योजना बनेगी। पुराने किए गए निर्णयों का लाभ अब प्राप्त होगा। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी। नए कार्यकारी अनुबंध हो सकते हैं। नौकरी में चैन रहेगा। घर में तनाव रह सकता है। चिंता में वृद्धि होगी।

मीन राशि- किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। फालतू खर्च होगा। असमंजस रहेगा। निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। अशुभ समय। - ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

किस विटामिन की कमी से टूट जाते हैं नाखून

शरीर में दिखाई देने वाले कुछ छोटे-छोटे लक्षण आपको मामूली लग सकते हैं, लेकिन अगर छोटे-छोटे लक्षणों पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो आप सेहत से जुड़ी समस्याओं का शिकार भी बन सकते हैं। क्या आपको भी यही लगता है कि नाखून टूटना कोई बड़ी बात नहीं है? क्या आप भी यही सोचते हैं कि दिन भर शरीर में महसूस होने वाली कमजोरी, मामूली सी बात है? अगर हां, तो आपको अपनी इस गलतफहमी को जल्द से जल्द दूर कर लेना चाहिए।

गौर करने वाले लक्षण

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इन लक्षणों के अलावा त्वचा या फिर आंखों में हल्का पीलापन दिखाई देने पर भी आपको सावधान हो जाना चाहिए। अगर विटामिन बी12 की कमी होती है, तो सांस फूलना और चक्कर आना, इस तरह के लक्षण भी पैदा हो सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन बी12 की कमी के लक्षणों में हाथों-पैरों में झुनझुनी महसूस होना, दस्त, मतली या फिर भूख में कमी, ये लक्षण भी शामिल हैं।

विटामिन बी12 की कमी

नाखून आसानी से टूट जाने का मतलब ये है कि आपकी नेल हेल्थ कमजोर हो रही है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जब शरीर में विटामिन बी12 की कमी पैदा होती है, तब भी नाखून टूटने जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। इसके अलावा एनर्जी लेवल्स कम होना या फिर हर समय कमजोरी महसूस होते रहना, इस तरह का लक्षण भी इसी विटामिन की कमी की तरफ इशारा कर सकता है।

बढ़ सकता है किन समस्याओं का खतरा

अगर शरीर में लंबे समय तक विटामिन बी12 की कमी रहती है, तो एनीमिया का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा विटामिन बी12 की कमी नर्वस सिस्टम को बुरी तरह से प्रभावित कर सकती है। ग्लोसाइटिस (जीभ की सूजन) का एक कारण इस विटामिन की कमी हो सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन बी12 की कमी डिप्रेशन जैसी गंभीर बीमारी के रिस्क को भी बढ़ा सकती है।

पहली बार जिम शुरू करने पर क्यों होता है मांसपेशियों में दर्द?

आजकल फिटनेस के लिए जागरूकता बढ़ी है और बड़ी संख्या में लोग जिम जॉइन कर रहे हैं। लेकिन जिम शुरू करने के शुरुआती दिनों में मांसपेशियों में दर्द, जकड़न और थकान की शिकायत आम होती है। यह दर्द ज्यादातर मामलों में सामान्य होता है और इसे 'डिलेड ऑनसेट मसल सोरनेस' कहा जाता है। यह तब होता है जब शरीर नई एक्सरसाइज या ज्यादा इंटेंसिटी की वर्कआउट के लिए खुद को ढालने की कोशिश करता है। हालांकि, इसके कारण कई लोग शुरुआत में ही एक्सरसाइज करना बंद कर देते हैं, लेकिन सही जानकारी और सावधानियों के साथ इस दर्द से आसानी से निपटा जा सकता है।

क्यों होता है दर्द?

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि शुरुआत में हल्का से मध्यम दर्द सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। जब आप लंबे समय बाद या पहली बार वेट ट्रेनिंग या स्ट्रेंथ एक्सरसाइज करते हैं, तो मांसपेशियों में माइक्रो लेवल पर खिंचाव होता है। यही खिंचाव आगे चलकर मांसपेशियों को मजबूत बनाता है, लेकिन अगर दर्द असहनीय हो, सूजन ज्यादा हो या किसी खास जोड़ में तेज दर्द हो, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

इससे बचाव के लिए क्या करें?

दर्द से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है धीरे-धीरे शुरुआत करना। पहले सप्ताह में हल्के वजन और कम रेपिटेशन से शुरुआत करें। शरीर को समय दें, ताकि वह नए रूटीन के अनुसार ढल सके। अचानक बहुत ज्यादा वजन उठाने या लंबा वर्कआउट करने से चोट का खतरा बढ़ जाता है। ट्रेनर की देख-रेख में सही तकनीक से एक्सरसाइज करना भी बेहद जरूरी है, क्योंकि गलत पोस्टर या तकनीक से मांसपेशियों और जोड़ों पर ज्यादा दबाव पड़ता है।

वॉर्म-अप और कूल-डाउन भी है जरूरी

वॉर्म-अप और कूल-डाउन को नजरअंदाज करना एक बड़ी गलती है। वर्कआउट से पहले 5-10 मिनट का हल्का कार्डियो और स्ट्रेचिंग मांसपेशियों को तैयार करता है, जिससे चोट और दर्द की संभावना कम होती है। इसी तरह वर्कआउट के बाद हल्की स्ट्रेचिंग करने से मांसपेशियों में जकड़न कम होती है और रिकवरी तेज होती है।

खान-पान की है अहम भूमिका

सही पोषण और पर्याप्त पानी पीना भी दर्द से उबरने में अहम भूमिका निभाता है। प्रोटीन से भरपूर खाना, जैसे- दाल, पनीर, अंडा या दही, मांसपेशियों की मरम्मत में मदद करते हैं। साथ ही 7-8 घंटे की नींद लेना जरूरी है, क्योंकि शरीर की रिकवरी मुख्य रूप से आराम के दौरान ही होती है। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह से हल्की पेन किलर दवा या गर्म/ठंडी सिकाई की जा सकती है।

शहद और अंगुर जूस के फायदे

शरीर को फिट रखने के लिए भरपूर एनर्जी की जरूरत होती है। थकान की वजह से चक्कर आना, काम करने में मन न लगना और सिर दर्द जैसी समस्याएं हो सकती है। बॉडी में एनर्जी न होने पर स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं हो सकती हैं। हेल्दी रहने के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल को फॉलों करना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। शरीर में खून या पोषक तत्वों की कमी के कारण एनर्जी लेवल कम हो जाता है। थकान दूर करने के लिए थकान दूर करने के लिए अपनी डाइट में हेल्दी चीजों को शामिल करना जरूरी है।

अंगुर में पानी की पर्याप्त मात्रा होने से यह बॉडी को दिन भर हाइड्रेट रखता है।

- अंगुर में ग्लुकोज और फ्रुक्टोज जैसे नेचुरल शुगर होते हैं, जो बॉडी को एनर्जेटिक रखने में मदद करते हैं। • पोटेशियम, विटामिन-सी और के से भरपूर अंगुर मेटाबॉलिज्म बढ़ाने में मदद करते हैं। साथ ही बॉडी की एनर्जी को बूस्ट करने में अहम भूमिका निभाते हैं। • अंगूर में रेस्वेराट्रोल जैसे एंटीऑक्सीडेंट होने से बॉडी में ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन कम करने में मदद करते हैं। इसके अलावा उर्जा के स्तर को बढ़ाने में गुणकारी साबित होते हैं। • शहद नेचुरल स्वीटनर होने के कारण शरीर को भरपूर एनर्जी देने काम करता है।

दिनभर में कितनी चाय पीनी चाहिए?

चाय सिर्फ एक ड्रिंक नहीं है बल्कि भारत में दिन की शुरुआत ही इससे होती है। सुबह की ताजगी से लेकर शाम की थकान मिटाने तक, एक कप चाय मूड को तुरंत बेहतर कर देती है और शरीर को ऊर्जा से भर देती है। कुछ लोगों को चाय की इतनी तलब होती है कि उन्हें हर दो तीन घंटे में चाय चाहिए होता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि दिनभर में कितनी चाय पीना सही है? और कब इसका ज्यादा सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है? चलिए हम आपको बताते हैं?

दिनभर में कितना चाय पीना चाहिए?

एक स्वस्थ वयस्क व्यक्ति के लिए दिन में 2 से 3 कप चाय पीना सुरक्षित माना जाता है। ध्यान रखें कि एक दिन में कुल कैफीन की मात्रा 200-300 मि.ग्रा से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। यानी स्वाद और सेहत दोनों बनाए रखने के लिए दिन में 2-3 कप चाय तक ही सीमित रहें और कोशिश करें कि खाली पेट या देर रात चाय न पिएं।

कब हो जाती है चाय नुकसानदायक?

अगर आप एक दिन में चार से पांच कप से ज्यादा चाय पीते हैं, तो आपकी सेहत के लिए यह अच्छा नहीं है। चलिए जानते हैं ज्यादा चाय पीने से क्या होगा?

कैफीन की मात्रा: यानी, चाय 4-5 कप या उससे अधिक पीने से शरीर में कैफीन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे घबराहट, दिल की धड़कन तेज होना और नींद की समस्या हो सकती है।

एसिडिटी, गैस और पेट में जलन: सुबह खाली पेट चाय पीने से एसिडिटी, गैस और पेट में जलन की समस्या हो सकती है।

आयरन का अवशोषण: खाने के तुरंत बाद चाय पीने से शरीर में आयरन का अवशोषण कम हो सकता है, जिससे एनीमिया का खतरा बढ़ सकता है।

इंसोम्निया: शाम या रात में ज्यादा चाय पीने से इंसोम्निया की समस्या हो सकती है।

कैसे पिएं चाय? दिन में 2-3 कप से ज्यादा न पिएं। खाने के तुरंत बाद चाय पीने से बचें। रात में सोने से 3,4 घंटे पहले चाय न लें। चाहें तो ग्रीन टी या हर्बल टी को विकल्प के रूप में चुन सकते हैं।

खबर-खास

धान चोरी करने वाले दो आरोपी थाना सिंघोडा पुलिस के गिरफ्त में, धान चोरी करने वाले दो चोर हुए गिरफ्तार

सरायपाली (समय दर्शन)। आवेदक प्रेम लाल प्रधान पिता रेशम लाल प्रधान थाना सिंघोड़ा उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया की उसका ग्राम खरखरी में परशु राईस मिल है, राईस मील से लगा गोदाम मे 60 बोरी धान प्रत्येक बोरी मे 40 किलोग्राम भरा हुआ, जिसकी कीमत करीबन 60 हजार रूपये, भर्ती धान रखा हुवा था जिसे दिनांक 07.03.26 के रात्रि 10.00 बजे गोदाम मे ताला लगाकर घर चला गया था, दिनांक 08.03.26 के सुबह जब आकर देखा तो गोदाम का ताला टुटा हुआ था व गोदाम मे रखे 60 बोरी धान को कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले गया की रिपोर्ट पर थाना में आरोपी के विरूद्ध अपराध धारा 305 (ए), 331 (4) बीएनएस कायम कर आरोपी की पता तलाश की जा रही थी, मुखबिर सूचना पर 01.सोनूलाल मोंगरे उम्र 20 साल एवं 02.मनमोहन सारथी पिता हरिदयाल सारथी उम्र 19 साल साकिनान लाती थाना सिंघोडा जिला महासमुंद के कब्जे से 60 बोरी धान प्रत्येक बोरी में 40 कि.ग्रा. भरी हुई 24 क्विंटल धान किमती 60 हजार रूपये एवं घटना में प्रयुक्त काला लाल रंग की मोटर सायकल एचएफ डिलक्स क्रमांक सी जी 06 एचडी 3151 कीमती 40 हजार रूपये को समक्ष गवाहन के जप्त कर कब्जा पुलिस मे लिया जाकर आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड मे भेजा गया गया है।

मोतियाबिंद से पीड़ित वरिष्ठ नागरिकों का होगा नि:शुल्क ऑपरेशन, 20 मार्च तक कर सकते हैं पंजीयन

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग द्वारा राज्य के मोतियाबिंद से पीड़ित वरिष्ठ नागरिकों का नि:शुल्क सर्जरी राष्ट्रीय आयुष्मान संस्थान (एम्स) रायपुर में नि:शुल्क कराया जाएगा। उप संचालक समाज कल्याण विभाग ने बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा उक्त शिविर में जिले के पात्र वरिष्ठ नागरिकों को एम्स रायपुर ले जाने और वापस लाने की नि:शुल्क आवागमन व्यवस्था की गई है। जिले के ऐसे वरिष्ठ नागरिक जो मोतियाबिंद से पीड़ित हैं, वे इस शिविर में शामिल होकर नि:शुल्क सर्जरी करा सकते हैं। शिविर में शामिल होने वाले वरिष्ठ नागरिकों को अपना आधार कार्ड एवं एक फोटो के साथ 20 मार्च 2026 तक जिला कार्यालय समाज कल्याण, जांजगीर-चांपा में उपस्थित होकर पंजीयन कराना होगा। अधिक जानकारी के लिए श्री राजेश देवांगन, परीवीक्षा अधिकारी (मो. 9770161336) एवं श्री रवि देवांगन (मो. 7000021675) से संपर्क किया जा सकता है।

ग्राम एटेपाल में आवास चौपाल आयोजित, हितग्राहियों को जल्द निर्माण शुरू करने की समझाइश

बीजापुर। कलेक्टर संबित मिश्रा के दिशा-निर्देश में जिले के ग्राम पंचायत बेचापल अंतर्गत ग्राम एटेपाल में आज आवास योजनाओं की प्रगति को लेकर सीईओ जनपद पंचायत भैरमगढ़ अभिषेक तंबोली की उपस्थिति में आवास चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरपंच एवं सचिव ग्राम पंचायत भैरमगढ़ द्वारा ग्रामीणों को शासन की आवास योजनाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस दौरान शेष स्पेशल प्रोजेक्ट दस्तावेजों तथा स्वीकृत आवासों की सूची का वाचन किया गया और पात्र हितग्राहियों से आवश्यक दस्तावेज जल्द जमा करने की अपील की गई। अधिकारियों ने स्वीकृत आवास वाले हितग्राहियों को तत्काल आवास निर्माण कार्य प्रारंभ करने के लिए प्रेरित करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि सभी पात्र परिवारों को समय पर पक्का आवास उपलब्ध कराया जा सके। आवास चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों को योजना की प्रक्रिया, दस्तावेजों की आवश्यकता तथा निर्माण कार्य से जुड़ी जानकारी भी विस्तार से दी गई, जिससे योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक सुगमता से पहुंच सके।

वयोवृद्धों की बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिए तीन दिवसीय NPHCE प्रशिक्षण शुरू

बीजापुर। जिले में वयोवृद्ध नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बीआर पुजारी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय वयोवृद्ध स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के अंतर्गत तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 9 से 11 मार्च तक कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बीजापुर के प्रशिक्षण कक्ष में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से आयोजित हो रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीजापुर जिले के चारों ब्लॉकों से आए सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, स्टाफ नर्स एवं ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक (महिला) भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान वयोवृद्धों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान, देखभाल और उपचार से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी जा रही है इस प्रशिक्षण में जिला अस्पताल की फिजियोथैरेपिस्ट डॉ प्राची सिंह कर्णेवार द्वारा प्रतिभागियों को संबंधित विषयों पर व्यावहारिक और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, ताकि स्वास्थ्य कर्मी ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा सकें।

जांजगीर-चांपा में पेयजल, अधोसंरचना और योजनाओं की धीमी प्रगति पर विधायक ब्यास कश्यप ने उठाए सवाल

जांजगीर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र 2026 में अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान जांजगीर-चांपा के विधायक ब्यास कश्यप ने अपने विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने विशेष रूप से पेयजल व्यवस्था, अधोसंरचना कार्यों की धीमी गति और योजनाओं के अधूरे क्रियान्वयन पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

विधायक कश्यप ने कहा कि जांजगीर शहर जिला मुख्यालय बने लगभग 27 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन आज भी गर्मियों में शहरवासियों को पर्याप्त पेयजल नहीं मिल पाता। उन्होंने बताया कि पूर्व में 36 करोड़ रुपये की लागत से पेयजल योजना स्वीकृत हुई थी, जिसमें इंटेकवेल, पाइपलाइन और टंकी का निर्माण होना था, लेकिन कार्य अधूरा रह गया। अब 24 करोड़ रुपये का नया प्रस्ताव तैयार हुआ है, फिर भी कार्य में अपेक्षित गति नहीं दिख रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि पाइपलाइन बिछाने और इंटेकवेल निर्माण का काम कब तक पूरा होगा तथा शहरवासियों को नियमित पेयजल आपूर्ति कब मिलेगी।

कश्यप ने कहा कि हसदेव नदी के तट पर बसे होने के बावजूद जांजगीर में पेयजल संकट है। वर्तमान में नहर में पानी आने से बोरों में पानी मिल जाता है, लेकिन यदि नहर बंद हो जाए तो भूजल पर निर्भरता बढ़ जाएगी। इसलिए नदी के पानी को इंटेकवेल के माध्यम से टंकी तक

पहुंचाकर घर-घर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए।

उन्होंने जांजगीर-नैला नगर पालिका क्षेत्र में नाली और जल निकासी की समस्या का भी उल्लेख किया। कश्यप ने कहा कि मुख्य मार्गों पर नालियों के अभाव में बरसात के दिनों में दो से तीन फीट तक पानी भर जाता है। इस कारण शहर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने की आवश्यकता है। विधायक ने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि जिले में लगभग 500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से टंकियों और पाइपलाइन का विस्तार किया गया है, लेकिन आज भी कई गांवों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा कि योजनाएं बनती तो हैं, परंतु उनका क्रियान्वयन समय-सीमा में पूरा नहीं हो पाता।

कश्यप ने अधोसंरचना विभागों में कार्यों की निगरानी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कई स्थानों पर इंजीनियरिंग कार्यों का सही निरीक्षण नहीं हो पाता, जिससे कागजों में काम पूरा दिखा दिया जाता है, जबकि वास्तविकता में कार्य अधूरा रहता है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में संवेदनशीलतापूर्वक सुनी नागरिकों की समस्याएं

प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न स्थानों से आए जनसामान्य की शिकायत एवं समस्याओं को संवेदनशीलतापूर्वक सुनी। कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करते हुए उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने कहा। जनदर्शन में कुल 74 आवेदन प्राप्त हुए है।

आज जनदर्शन में तहसील अकलतरा के ग्राम पंचायत परसाही निवासी श्री रामलाल यादव द्वारा राजस्व रिकार्ड में त्रुटि सुधार करवाने, तहसील चांपा के ग्राम कमरीद निवासी अनुपरेखा सुर्यवंशी द्वारा राशन कार्ड बनवाने, तहसील बम्हनीडीह के ग्राम कनकपुर निवासी श्रीमती सोनी बाई निवासी द्वारा सेवाभूति में खसरा नंबर दुरूस्त करने, तहसील चांपा के ग्राम बिर्रा निवासी श्री पवन कुमार जांगड़े द्वारा दिव्यांग पेंशन व ट्राईसायकल दिलाने, तहसील जांजगीर के ग्राम पंचायत पुटपुरा निवासी श्रीमती माधुरी राठौर द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, तहसील पामगढ़ के ग्राम कुथुर निवासी श्रीमती बृहस्पति बाई द्वारा नया मीटर लगवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया। कलेक्टर ने जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण के लिए निर्देश दिए।

पूर्व माध्यमिक शाला मगरघटा में कक्षा 8 के छात्रों को विदाई समारोह में दी गई भावभीनी विदाई

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मगरघटा में कक्षा 6वीं एवं 7वीं के छात्र छात्राओं ने अपने सीनियर्स कक्षा 8 वीं के छात्र छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन कर उन्हें भावभीनी विदाई दिया ।विदाई समारोह ह्श्वङ्क क्ष्वत्ङ्कह्हङ्कह्त का आयोजन नगरपालिका परिषद अमलेश्वर के पार्षद श्री सोहन निषाद , श्रीमती यामिनी यादव , पूर्व सीएसी ललित कुमार बिजौरा , संस्था प्रमुख श्री के.पी.चौबे ,जयंत वर्मा , सेवानिवृत्त प्रधानपाठक श्री पी.आर.साहू सीएसी के.पी. ठाकुर , श्रीमती अंजू वर्मा , श्री कोमल ठाकुर , श्रीमती एम. एस.खलखो , श्रीमती मेघा गुप्ता , के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम की शुरुआत मां शारदे के तैल चित्र में पूजा अर्चना दीप प्रज्वलन , वंदना के साथ हुई। पश्चात राज्यगीत-- अरपा पैरी के धार महानदी हे अपार प्रस्तुत किया गया , अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ से किया गया एवं सम्मान में स्वागत गीत की प्रस्तुति कक्षा 6 वीं एवं 7 वीं के छात्र छात्राओं द्वारा किया गया । कक्षा 6वीं एवं 7वीं के छात्र छात्राओं ने अपने सीनियर्स के लिए नृत्य और गीतों की रंगारंग प्रस्तुति दी । नृत्य एवं गीतों की प्रस्तुति कक्षा 6वीं की छात्रा

अन्नपूर्णा टंडन , सानिया टंडन एवं 7वीं की छात्रा नम्रता यादव , मानसी निषाद , किरण अदा , होमिन निषाद द्वारा दी गई । समारोह के दौरान कक्षा 6 वीं से सानिया टंडन , धारा टंडन तथा कक्षा 7वीं से गगन ध्रुव द्वारा अपने सीनियर्स के साथ बिताए पल को साझा किया गया , कक्षा 8 वीं के छात्र छात्राओं ने पुरानी यादों को साझा किया और शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जिससे माहौल काफी भावुक हो गया । कक्षा 8 वीं के छात्र छात्राओं के लिए बहुत ही रोचक गेम का भी आयोजन किया गया , सीनियर्स छात्र छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया । इस अवसर पर अतिथियों ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विदाई एक पड़ाव है मंजिल नहीं और उन्हें आगे आने वाली चुनौतियों के लिए आत्मविश्वास के साथ तैयार रहना चाहिए । उन्होंने सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य और शैक्षणिक सफलता की कामना की । सीनियर्स छात्र छात्राओं को गुलदस्ता एवं उपहार प्रदान किया गया । कार्यक्रम का संचालन कक्षा 7वीं की छात्रा नम्रता यादव ने किया । कार्यक्रम का समापन सामूहिक फोटो सत्र के साथ हुआ ।

बढ़े गैस के दाम का बोझ उपभोक्ताओं पर, पुराने बुकिंग के बाद भी लिए जा रहे अतिरिक्त 60 रुपये

गरियाबंद (समय दर्शन)। रसोई गैस की बढ़ती कीमतों से आम उपभोक्ता पहले ही परेशान हैं, वहीं अब कई जगहों पर उपभोक्ताओं से अतिरिक्त राशि वसूले जाने की शिकायत भी सामने आ रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्होंने गैस सिलेंडर की बुकिंग उस समय कराई थी जब पुरानी दर लागू थी और शहर में गैस उपलब्ध नहीं थी ।इसके बावजूद जब सिलेंडर की आपूर्ति हुई तो बढ़ी हुई कीमत के साथ लगभग 60 रुपये अतिरिक्त राशि ली जा रही है।

ग्राहकों का आरोप है कि जब उन्होंने पहले ही रसीद कटवा ली थी और भुगतान कर दिया था,तब बाद में बढ़ी कीमत का बोझ उन पर डालना उचित नहीं है। लोगों का कहना है कि गैस की कमी के कारण उन्हें पहले ही इंतजार करना पड़ा,और अब आपूर्ति होने पर अतिरिक्त पैसे भी देने पड़ रहे हैं।

स्थानीय उपभोक्ताओं ने मांग की है कि जिन लोगों ने पहले बुकिंग कर भुगतान कर दिया था, उनसे पुरानी दर पर ही सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही इस मामले में संबंधित विभाग को जांच कर उपभोक्ताओं को राहत देने की जरूरत है।

बढ़ती महंगाई के बीच रसोई गैस के दाम पहले ही आम जनता की चिंता बढ़ा रहे हैं, ऐसे में अतिरिक्त वसूली की शिकायतों ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है।

बढ़ती गैस की कीमतों से आम जनता परेशान

देश में रसोई गैस की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से आम जनता की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे लोगों के लिए रसोई गैस के बढ़े दाम एक और बड़ा बोझ बन गए हैं। मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों के लिए घर का बजट संभालना दिन-प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है ।गृहणियों का कहना है कि रसोई गैस की कीमत बढ़ने से रसोई चलाना कठिन हो गया है। जहां पहले एक सिलेंडर से महीने भर का काम चल जाता था, वहीं अब लोगों को खर्च कम करने के लिए कई तरह के समझौते करने पड़ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो कई परिवार फिर से लकड़ी और पारंपरिक ईंधन की ओर लौटने लगे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर घरेलू बाजार पर भी पड़ता है ।हालांकि आम लोगों की मांग है कि सरकार को गैस की कीमतों पर नियंत्रण करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि गरीब और मध्यम वर्ग को राहत मिल सके।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि महंगाई पहले ही चरम पर है,ऐसे में रसोई गैस के दाम बढ़ना आम लोगों के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गया है। लोगों को उम्मीद है कि सरकार जल्द ही इस दिशा में कोई राहत देने वाला निर्णय लेगी।

कमलादेवी राठी महिला पीजी कॉलेज में 6 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, नैनो सामग्री नवाचार पर दिया जाएगा प्रशिक्षण

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में रूसा 2.0 प्रॉपर्टी ग्रांट के अंतर्गत कम्प्यूटर आधारित सामग्री/नैनो सामग्री नवाचार विषय पर विज्ञान संकाय के लिए छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 9 से 14 मार्च 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजली अवधिया के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च शिक्षा के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देना तथा विज्ञान संकाय के शिक्षकों को कम्प्यूटर आधारित प्रयोग, डिजिटल सिमुलेशन और मॉडलिंग तकनीकों के माध्यम से सामग्री विज्ञान एवं नैनो प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार के लिए प्रशिक्षित करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर डॉ. मोहन एल. वर्मा, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग, एसएसटीसी, भिलाई द्वारा विषय विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। साथ ही हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस सत्र में पीएचडी शोधार्थी नायाब उल मलिक द्वारा प्रतिभागियों को तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिदिन विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान और व्यावहारिक सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में दुर्ग संभाग के विभिन्न शासकीय महाविद्यालयों के सहायक प्राध्यापक तथा विज्ञान संकाय के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम में नोडल अधिकारी डॉ. मोहन एल. वर्मा, समन्वयक श्रीमती नंदिनी चंद्रवंशी तथा सह-समन्वयक डॉ. सुरेश कुमार पटेल, आलोक कुमार जोशी एवं श्रीमती तारा ठाकुर हैं। आयोजन समिति में अमरनाथ निषाद, चंदन साहू, डॉ. चेतना गुप्ता, शैलजा, सानवी, शीला राहा एवं श्रीमती मंजुषा सक्रिय रूप से सहयोग दे रहे हैं। तकनीकी सहयोग रमन साहू एवं धनेश पटेल द्वारा प्रदान किया जा रहा है। छह दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को सिएस्टा/ट्रांसिएस्टा जैसे उन्नत सॉफ्टवेयर के माध्यम से कम्प्यूटर आधारित प्रयोगों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे सामग्री विज्ञान, नैनो प्रौद्योगिकी और ऊर्जा भंडारण जैसे क्षेत्रों में शोध को गति मिल सके।

कार्यक्रम 14 मार्च 2026 तक जारी रहेगा, जिसमें विभिन्न विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं प्रायोगिक सत्र आयोजित किए जाएंगे।

परिक्षेत्रीय साहू संघ अरसनारा की कार्यकारिणी बैठक एवं होली मिलन संपन्न, माता कर्मा जयंती मनाने का आह्वान

पाटन (समय दर्शन)। परिक्षेत्रीय साहू संघ अरसनारा की कार्यकारिणी की बैठक एवं होली मिलन समारोह का आयोजन सोमवार को साहू सदन रवेली में संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाजजनों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

स्वागत भाषण देते हुए परिक्षेत्रीय अध्यक्ष किशन हिरवानी ने कहा कि पापमोचनी एकादशी 15 मार्च को साहू समाज की अधिष्ठात्री भक्त माता कर्मा की 1010वीं जयंती मनाई जाएगी। इस अवसर पर सभी इकाइयों में जयंती समारोह आयोजित करने तथा समाज के लोगों से अपने-अपने घरों में आरती-पूजा कर उत्सव मनाने का आह्वान किया गया। उन्होंने भरर में आयोजित होने वाले तहसील स्तरीय कर्मा जयंती कार्यक्रम को सफल बनाने और समाज के संगठन को मजबूत करने के लिए सभी से एकजुट होकर कार्य करने की अपील की।

बैठक में प्रमुख सलाहकार खेमलाल साहू ने अपने उद्बोधन में प्रदेश साहू संघ की सामाजिक एकीकृत नियमावली का पालन करते हुए समाज को संगठित करने तथा सामाजिक एकता और अनुशासन बनाए रखने पर जोर दिया। वहीं संरक्षक हरिशंकर साहू और अर्जुन साहू सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी समाज की एकजुटता और संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने की बात कही।

कार्यक्रम का संचालन गोपेश साहू ने किया तथा आभार प्रदर्शन संतोष साहू ने किया।

बैठक में मुख्य रूप से घनश्याम साहू, घासी राम साहू, ललिता साहू, ओमप्रकाश साहू, मंगलेश साहू, हरि साहू,रिंकी साहू, रवि साहू, खेमीन साहू, तनुजा साहू, डाकेंद्र साहू, दानी राम साहू,रेखराम साहू, राजकुमार साहू,डॉ हेमू साहू, प्रेमलाल साहू,रमेश साहू, दुर्वासा साहू,प्रेमलाल साहू,जगनू साहू, किरण साहू, कल्याणी साहू, लक्ष्मी साहू, जितेंद्र साहू, रामलाल साहू,रघुनाथ साहू, नीलमणि साहू, ईश्वरी साहू, दीपा साहू, सहित समाज के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

शिकारियों के आतंक से दहला जंगल, सांभर का शिकार, भारी मात्रा में मांस बरामद

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। जिले के झीलगीटार क्षेत्र के जंगल में शिकारियों का आतंक सामने आया है। जानकारी के अनुसार अज्ञात शिकारियों ने जंगल में घुसकर एक सांभर का शिकार कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए मौके से भारी मात्रा में सांभर का मांस बरामद किया। बताया जा रहा है कि शिकारियों ने जंगल के भीतर सांभर का शिकार कर उसके मांस को ठिकाने लगाने की कोशिश की थी, लेकिन इससे पहले ही वन विभाग को इसकी भनक लग गई। टीम ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है।

वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और शिकारियों की तलाश तेज कर दी गई है। जंगल में लगातार गश्त बढ़ा दी गई है ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। फिलहाल वन अमला ने ट्रेनर डॉग को लेकर आरोपियों की धर पकड़ मे लग गई है

गर्मी में पेयजल संकट से निपटने कलेटर का आदेश, बिना अनुमति नलकूप खनन पर रोक

दुर्ग। गर्मी के मौसम में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अभिजीत सिंह ने छत्तीसगढ़ पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत जिले में आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार 30 जून 2026 अथवा मानसून आगमन तक जिले में भूजल के अनियंत्रित दोहन को रोकने के लिए बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के नया नलकूप (बोरवेल) खनन नहीं किया जा सकेगा। यह व्यवस्था पेयजल स्त्रोतों के संरक्षण तथा आम नागरिकों को गर्मी के दौरान पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लागू की गई है। यह भी स्पष्ट किया गया है कि शासकीय, अर्धशासकीय एवं नगरीय निकायों को अपने क्षेत्राधिकार में पेयजल व्यवस्था के लिए आवश्यक नलकूप खनन की अनुमति अलग से लेने की आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करना होगा। साथ ही, नलकूप खनन अथवा मरम्मत का कार्य केवल पंजीकृत बोरवेल एजेंसियों के माध्यम से ही किया जा सकेगा। नियमों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। आदेश के तहत विभिन्न क्षेत्रों के लिए अधिकृत अधिकारियों की नियुक्ति भी की गई है।

कलेक्टर बीएस उइके ने नोहर को शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

नोहर लाल पटेल को रिन्यूबल एनर्जी में मेडल ऑफएक्सीलेंस अवार्ड जीता

गरियाबंद (समय दर्शन)। इंडिया स्किल आयोजन में प्रथम स्थान प्राप्त कर ईस्ट जोन की रीजनल प्रतियोगिता के लिए चयनित होकर कौशल श्रेणी रेन्यूबल एनर्जी में मेडल ऑफएक्सीलेंस अवार्ड प्राप्त करने पर कलेक्टर बीएस उइके ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में ग्राम तर्रा निवासी नोहर लाल पटेल को पुष्पगुच्छ,शॉल,श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।इस दौरान कलेक्टर ने क्रेड़ा विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि नोहर लाल पटेल को जिले का रेन्यूबल एनर्जी के लिए ब्रांड अम्बेसडर बनाएं।

उल्लेखनीय है कि इंडिया स्किल 2025-26 के ईस्ट जोन की रीजनल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के युवाओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 12 पदक और 4 मेडल ऑफएक्सीलेंस अर्जित कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इंडिया स्किल 2025-26 की प्रतियोगिता चार चरणों में जिला, राज्य, रीजनल एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की गई थी। इसका समापन 2 मार्च 2026 को भुवनेश्वर में हुआ। लाईवलीहुड कॉलेज की सहायक परियोजना अधिकारी श्रृष्टि मिश्रा ने बताया कि कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा आयोजित इंडिया स्किल 2025-26 का आयोजन 28 जुलाई 2025 को जिला स्तरीय एवं 3 और 4 फरवरी 2026 को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गरियाबंद जिले के ग्राम तर्रा निवासी नोहर लाल पटेल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाया है।नोहर लाल पटेल ने लाईवलीहुड कॉलेज गरियाबंद में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजनान्तर्गत कोर्स सोलर पीवी इंस्टॉलर (सूर्यमित्र) में 27 जनवरी 2025 से 2 अप्रैल 2025 तक आवासीय कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

खबर-खास

मनरेगा कार्य का शुभारंभ, सरपंच ने मजदूरों को चॉकलेट खिलाकर कराया मुंह मीठा

पाटन (समय दर्शन)। पाटन ब्लॉक के ग्राम पंचायत झीट में मंगलवार को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के कार्य की शुरुआत की गई। कार्य के प्रथम दिवस ग्राम के सरपंच रुपेंद्र राजू साहू ने मजदूरों को चॉकलेट खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया और कार्य का शुभारंभ कराया। इस अवसर पर सरपंच ने कहा कि मनरेगा योजना के माध्यम से ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे उन्हें बाहर पलायन न करना पड़े। उन्होंने मजदूरों से ईमानदारी और मेहनत के साथ कार्य करने की अपील भी की। ग्राम पंचायत में मनरेगा के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों की शुरुआत की जा रही है, जिससे गांव के विकास के साथ-साथ स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। कार्यक्रम के दौरान पंचायत के अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

सम्पूर्णता अभियान अंतर्गत ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस का आयोजन

कोंडागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के निर्देशन में तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी, रेनू प्रकाश, महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में जिले के प्रत्येक आंगनबाड़ी केंन्द्रों में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस को मनाने हेतु कार्ययोजना तैयार कर शतप्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने हेतु प्रयास किया जा रहा है। साथ ही शतप्रतिशत बच्चों का वजन माप कर पोषण स्तर जानने व बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया गया है इसके फलस्वरूप माह फरवरी तक जिले में 96 प्रतिशत आंगनबाड़ी केन्द्र में ग्राम स्वास्थ्य और पोषण दिवस मनायी गई, जिसमें टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, शौचालय उपयोग के बाद हाथ धुलाई के साथ-साथ घरों की साफ-सफाई रखने के लिए जागरूक किया गया।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान

पिथौरा(समय दर्शन)। विधायक जनसंपर्क कार्यालय पिथौरा में पिथौरा मंडल में निवासरत युवा मोर्चा के नवनियुक्त जिला पदाधिकारीयो जिला उपाध्यक्ष विजय नायक, खेल एवं युवा प्रमुख सौरभ अग्रवाल, शासकीय योजना स्वाध्याय मंडल सह प्रमुख अंशुल तिवारी , सह प्रभारी आई टी सेल प्रमुख तुसार बंसल को भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि पुरषोत्तम घृतलहरे मंडल महामंत्री जतींन ठक्कर भाजपा नेता आलोक त्रिपाठी युवा मोर्चा अध्यक्ष विजयराज पटेल दुलिकेशन साहू विधायक प्रतिनिधि रविंदर आज़मानी अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री जीवन तांडी ने भगवा पंछा पहनाकर व मीठा खिलाकर शुभकामनायें दिये।

इस अवसर पर मुख्य रूप से मुकेश पटेल सुकांत सोनी योगेश यादव कुलजीत आज़मनी पवन अग्रवाल अभिषेक वैष्णव सौरभ अग्रवाल आरके श्रेयांश श्रीवास्तव विनोद पटेल सतीस धूरुव विष्णु निषाद रोशन पटेल अमिताभ पटेल छोटू प्रजापति सहित बड़ी संख्या में युवा उस्पथित थे।

जिला शिक्षा अधिकारी जेआर डहरिया ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिर्री, लेन्धा, झाल और डोंगरीपाली परीक्षा का किया आकस्मिक निरीक्षण

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। हायर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा कक्षा 12 वी विषय अंग्रेजी विषय का परीक्षा 10 मार्च को पूरे राज्य में संचालित रहा। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला के परीक्षा केंद्रों के लिए जिले स्तर पर उड़नदस्ता टीम कलेक्टर महोदय द्वारा बनाई गई है।कक्षा 10 वी 12 वी की परीक्षा जारी है। संवेदनशील जिला शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया ने 10 मार्च को बरमकेला ब्लाक के हायर सेकेंडरी स्कूल हिर्री , लेन्धा एवं सुदूर क्षेत्र में स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला झाल और डोंगरीपाली परीक्षा केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। सभी केंद्रों में सुरक्षा कर्मी उपस्थित मिले। सभी परीक्षा केंद्रों में परीक्षा सुव्यवस्थित शांतिपूर्वक संचालित पाया गया। जिले में अभी तक किसी प्रकार की नकल प्रकरण नहीं मिली है।जिले की उड़नदस्ता टीम द्वारा तीनों ब्लाक सारंगढ़ , बिलाईगढ़ और बरमकेला ब्लाक परीक्षा केंद्रों की निरीक्षण लगातार की जा रही है।

चुनावी वादे भूलकर जनता की जेब काट रही केंद्र सरकार : सुखचंद बेसरा

गरियाबंद (समय दर्शन)। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को लेकर सियासी गलियारा गरमा गया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोलते हुए इसे जनता के साथ विश्वासघात करार दिया है।उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस इस जनविरोधी फैसले के खिलाफचुप नहीं बैठेगी और जल्द ही सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन छेड़ेगी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के समय बड़े-बड़े विज्ञापनों और मंचों से भाजपा के शीर्ष नेताओं ने जनता को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने का सपना दिखाया था। लेकिन भाजपा सरकार अपने वादे से मुकर गई है। उन्होंने कहा कि यह सरकार अच्छे दिन का वादा करके आई थी,लेकिन आज आम आदमी की रसोई का बजट पूरी तरह बिगड़ चुका है। 500 रुपए में सिलेंडर देने का वादा महज एक चुनावी जुमला साबित हुआ। महंगाई ने गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की कमर तोड़ दी है। सुखचंद बेसरा ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का बहाना बनाकर आम जनता को लूटा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पूंजीपतियों को लाभ पहुँचाने के लिए आम आदमी के चूल्हे की आग ठंडी कर रही है।जिले के हर ब्लॉक मुख्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ता केंद्र सरकार का पुतला फूंकेंगे और घर-घर जाकर लोगों को केंद्र सरकार की दोहरी नीतियों के बारे में जागरूक किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस विधिक जागरूकता शिविर, महिलाओं को बताए गए अधिकार

ग्राम छतौना में 14 मार्च की नेशनल लोक अदालत की दी जानकारी

मुंगेली(समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती गिरिजा देवी मेरावी के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली द्वारा विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन कर महिलाओं को उनके अधिकारों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। प्राधिकरण की सचिव श्रीमती कंचनलता आचला ने बताया कि प्रेस क्लब मुंगेली में आयोजित शिविर में पैरालीगल वालंटियर धर्मेंद्र शर्मा ने उपस्थित महिलाओं को उनके अधिकारों, कर्तव्यों और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हर वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की उपलब्धियों और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर महिलाओं के अधिकार, समानता और सशक्तिकरण के महत्व पर विशेष चर्चा की गई।

कार्यक्रम में बताया गया कि महिलाएं आज शिक्षा, विज्ञान, राजनीति और खेल सहित कई क्षेत्रों में लगातार आगे बढ़ रही हैं। समाज के हर व्यक्ति को महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण का समर्थन करना चाहिए ताकि एक समान और सशक्त समाज का निर्माण हो सके। इस दौरान आगामी 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के संबंध में भी जानकारी दी गई तथा लोगों को इसका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 की जानकारी भी दी गई। इसी कड़ी में थाना जरहागांव अंतर्गत ग्राम छतौना में महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में जिला महिला बाल विकास अधिकारी संजुला शर्मा, लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्रीमती द्रोपदी कश्यप एवं पीएलवी गौतम चंद सहित अन्य उपस्थित रहे।

शिविर में ग्रामीण महिलाओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, दहेज प्रतिषेध कानून, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से सुरक्षा, महिला हेल्पलाइन नंबर, शिकायत प्रक्रिया तथा बाल विवाह प्रतिषेध कानून के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

दहेज प्रताड़ना व पहली पत्नी रहते दूसरी शादी करने वाला पति सहित 4 गिरतार थाना मुलमुला पुलिस की त्वरित कार्यवाही

जांजगीर(समय दर्शन)। थाना मुलमुला क्षेत्र की पीड़िता द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी शादी 30 अप्रैल 2025 को दामोदर गोसाई निवासी तिफरा, बिलासपुर के साथ सामाजिक रीति-रिवाज से हुई थी। शादी के करीब एक माह तक सब कुछ ठीक रहा, लेकिन बाद में पति दामोदर गोसाई, सास दीपावली गोसाई, ससुर गुरुशरण गोसाई और देवर खेमन गोसाई द्वारा दहेज कम लाने की बात कहकर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा और मोटरसाइकिल एवं दो लाख रुपये की मांग की जाती थी तथा मांग पूरी नहीं होने पर मारपीट और गाली-गलौज की जाती थी। बाद में उसे मायके भेज दिया गया और दो लाख रुपये व मोटरसाइकिल देने पर ही वापस ले जाने की बात कही गई। प्रकरण की विवेचना दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी पति दामोदर गोसाई की पहले से शादी हो चुकी है और पहली पत्नी के रहते ही उसने यह दूसरी शादी की थी, जिसकी जानकारी लड़की पक्ष को नहीं दी गई थी।

थाना मुलमुला पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों दामोदर गोसाई (30), गुरुशरण गोसाई (55), दीपावली गोसाई (50) और खेमन गोसाई (28) सभी निवासी भैरव नगर तिफरा, थाना सिरगिट्टी जिला बिलासपुर को पकड़ा जिसको पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी मुलमुला निरीक्षक पारस पटेल, एसआई फुलेश्वर सिंह सिदार, प्रधान आरक्षक अनिल अजगल्ले, आरक्षक मनभावन पटेल और महिला आरक्षक श्वेता सिंह का विशेष योगदान रहा।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202510104500105

विषय-ब-121 **मामले की श्रेणी-राजस्व** सन-2025-26
रूही (प. ह. न. 00014)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार-ढालन सिंह
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम रुही प.ह.नं. 14 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक ढालन सिंह पिता मनहरण सिंह निवासी ग्राम रुही तहसील पाटन जिला दुर्ग द्वारा ग्राम रुही प.ह.नं. 14 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 8/2 का भुईयां नक्शा और खसरा नंबर 1209/2 रकबा 0.19 है. भूमि के त्रुटि सुधार के संबंध में हल्का पटवारी द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत आधार पर प्रकरण खाता विभाजन हेतु विचाराधीन है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा / आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 17-03-2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26.02.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन

न्यायालय तहसीलदार पिथौरा जिला - महासमुन्द (छ.ग.)

रा.मा.क्र. 202602120800034
ब- 121 वर्ष 2025-26
ग्राम- लाखागढ़ प.ह.नं. 10
रा.नि.मं. - पिथौरा तहसील पिथौरा

/ / ईश्तहार / /

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम लाखागढ़ के आम जनता को सूचित किया जाता है कि, अध्यक्ष मीरा पण्डा कुडो एसोसिएशन महासमुंद द्वारा माननीय मुख्यमंत्री निवास कार्यालय छ0ग0शासन को कुडो एसोसिएशन महासमुंद के भूमि आरक्षण के संबंध में आवेदन प्रेषित कर अवगत कराया है कि विगत कई वर्षों से जिले के खिलाड़ी खुले मैदान में अभ्यास कर रहे है यह जानकारी एवं समस्या को ग्राम पंचायत लाखागढ़ वि.ख. पिथौरा जिला महासमुंद के समक्ष खिलाड़ीयों ने अपनी समस्या रखी एवं इंडोर हॉल निर्माण हेतु प्रस्ताव रखा गया ताकि खिलाड़ी निरंतर अभ्यास कर सकें। यह समस्या को जानकर ग्राम पंचायत लाखागढ़ के सरपंच एवं सचिव / उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा खिलाड़ीयों के अभ्यास हेतु पंचायत द्वारा प्रस्ताव पारित किया गया एवं हल्का पटवारी के मौका जांच पंचनामा अनुसार ग्राम लाखागढ़ स्थित भूमि ख.नं. 259 रकबा 0.12 हे के टुकड़ा 40×32=1280 वर्गफीट भूमि को इंडोर स्टेडियम निर्माण प्रस्तावित किया गया है।

अत: उपरोक्त संबंध में किसी भी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी दिनांक 16.03.2026 को मेरे समक्ष उपस्थित होकर उजर / दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27.02.2026 को मेरे न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
पिथौरा,
जिला महासमुन्द (छ.ग.)

मुहर

।। कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग ।।

क्रमांक /921/ भ.श./ न.पा.नि./ 2026 दुर्ग, दिनांक 27.02.2026

-:: आम सूचना :: -

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 एवं छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम तथा नगर पालिका (कालोनाइजर का रजिस्ट्रीकरण निबंधन तथा शर्तें) नियम 2013 के अनुसार मे. लक्ष्मी एसोसिएट्स भागीदार श्री रौनक देशलहरा आ. श्री अनिल देशलहरा एवं अन्य निवासी जवाहर चौक, दुर्ग को तहसील व जिला दुर्ग की भूमि ग्राम पोटियाकला प.ह.नं. 38 ख.नं. 15002/1 (0.6765 हे0), 15008/1 (9.5705 हे.), 15002/15 (0.1408 हे.) व 20 (0.2870 हे.) कुल रकबा 10.6748 हे. में से 9.3360 हे. पर फेज-4 का आवासीय (भूखण्डीय) विकास कार्य प्रारंभ करने की अनुमति, कालोनी विकास अनुमति क्र. 87 दिनांक 12.01.2026 प्रदान की गई है। उक्त कालोनी में आंतरिक विकास कार्य पूर्ण करने के एवज में रखे गये MORTGAGE, EWS & LIG हेतु आरक्षित भूखण्डों का विवरण आम जनता की जानकारी के हेतु दी जा रही है, जो कि निम्नानुसार है-

क्र.	आरक्षण का प्रकार	भूखण्ड क्र.	भूखण्ड संख्या	रकबा प्रति भूखण्ड	कुल रकबा
1	LIG	भूखण्ड क्र. L-1 से L-8	08	90.015 व.मी.	720.12 व.मी.
2	EWS	भूखण्ड क्र. W-11 से W-22	12	35.00 व.मी.	420.12 व.मी.
3	MORTGAGE	भूखण्ड क्र.A-7	1	992.24 व.मी.	992.24 व.मी.
4		भूखण्ड क्र.A-8	1	976.88 व.मी.	976.88 व.मी.
5		भूखण्ड क्र.A-15	1	952.08 व.मी.	952.08 व.मी.
6		भूखण्ड क्र.A-16	1	992.71 व.मी.	992.71व.मी.
7		भूखण्ड क्र.C-5	1	139.79 व.मी.	139.79 व.मी.
8		भूखण्ड क्र.C-11	1	360.00 व.मी.	360.00 व.मी.
9		भूखण्ड क्र.C-16	1	456.11 व.मी.	456.11 व.मी.
10		भूखण्ड क्र.C-23	1	352.48 व.मी.	352.48 व.मी.
11		भूखण्ड क्र. C-60 से C-62, C67-to C-69	6	186.05 व.मी.	1116.30व.मी.
12		भूखण्ड क्र.C-88	1	252.38 व.मी.	252.38 व.मी.
13		भूखण्ड क्र.C-89	1	230.42 व.मी.	230.42 व.मी.

उपरोक्त बंधक (MORTGAGE) भूखंडो को क्रय करने के पूर्व नगर पालिक निगम, दुर्ग द्वारा बंधक मुक्त किया गया है अथवा नही, इसके संबंध में कालोनाईजर से बंधक मुक्त प्रमाण पत्र प्राप्त करें तथा बंधक मुक्त नही होने की स्थिति में बंधक भूखंडों को क्रय ना किया जावे।

आयुक्त,
नगर पालिक निगम दुर्ग

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग कार्या. - 225059
राजनांदगांव वनमंडल राजनांदगांव

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि, राजनांदगांव वन मण्डल के डिपो में उपलब्ध ईमारती / जलाऊ का ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन निम्नानुसार किया जावेगा । इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय / वन काष्ठागार, अछोली से प्राप्त की जा सकती है।

अछोली काष्ठागार, नीलाम दिनांक :- 18.03.2026 समय :- प्रातः 9.00 बजे
काष्ठागार का नाम :- अछोली, वनमण्डल :- राजनांदगांव

क्र.	प्रजाति	नये वनोपज			पुराने वनोपज			योग		
		ईमारती घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	ईमारती घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	ईमारती घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
1.	सागौन	56.000	150	250	115.938	115	6545	171.938	265	6795
2.	बीजा	25.000	-	-	59.243	35	-	84.243	35	-
3.	तिन्सा	1.000	-	-	-	48	35	1.000	48	35
4.	साजा	8.000	-	-	1.187	38	-	9.187	38	-
5.	ह.मु.ख.	1.000	-	-	-	-	-	1.000	-	-
6.	धावड़ा	2.000	-	-	-	-	-	2.000	-	-
7.	कसही	-	-	-	15.679	-	-	15.679	-	-
8.	अन्य	15.000	500	-	28.644	706	-	43.644	1206	-
	योग	108.000	650	250	220.691	942	6580	328.691	1592	6830

1) अछोली डिपो के नये 180 जलाऊ चट्टा	2) अछोली डिपो के अविक्रित 13 जलाऊ चट्टा
3) घुमका डिपो के नये लाट मिश्रित प्रजाति 72 घ. मी. एवं 103 नग डेंगरी	4) बम्लेश्वरी डिपो के नये लाट औद्योगिक बांस 02 मीटर - 230 नो.टन 01 मीटर - 65 नो. टन

1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। 2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है । सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉग इन करके देख सकते है।
4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा ।

G-252607074/3

वनमण्डलाधिकारी,
राजनांदगांव वन मण्डल राजनांदगांव

समय-सीमा की बैठक में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों को शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बीएस उइके ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में अधिकारियों की समय-सीमा की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए इस दौरान अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे,अपर कलेक्टर ऋश्वा ठाकुर, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।कलेक्टर ने सभी विभागों की प्रगति की विभागवार समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए और लंबित कार्यों को समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने को कहा।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शासकीय अधिकारी अपने कार्यालय के कर्मचारियों को 20 मार्च तक अनिवार्य रूप से ईएचआरएमएस पोर्टल में अद्यतन कराएं तथा इसकी जानकारी एनआईसी कार्यालय में लिखित रूप में दे। उन्होंने जनदर्शन पोर्टल की समीक्षा करते हुए कहा कि विभागवार लंबित प्रकरणों को शीघ्रता से निराकृत करें तथा जिले के किसी भी विभाग का एक भी आवेदन पोर्टल में लंबित नहीं रहना चाहिए। इसे प्राथमिकता के साथ निराकरण करे। कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक के दौरान कुछ अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। जनमन योजना तथा स्कूल जतन योजना की वास्तविक प्रगति की जांच के लिए निरीक्षण करने को कहा।कलेक्टर ने आगामी समय में राजस्व पखवाड़ा के अंतर्गत किए जाने वाले शिविरों में नामांतरण,सीमांकन,त्रुटि सुधार, अविवादित बंटवारा तथा अन्य राजस्व कार्यों को समय पर और गुणवत्तापूर्वक पूरा करने को कहा। उन्होंने कहा कि आगामी मई-जून माह में सुशासन तिहार आयोजित होने की संभावना है। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों के पूर्व अध्ययन और उनके निराकरण की तैयारी अभी से प्रारंभ करनी होगी।कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारी को पटवारी और आरआई के पेंशन प्रकरणों सहित अन्य लंबित राजस्व मामलों का प्राथमिकता से निपटारा करने के निर्देश दिए। उन्होंने न्यायालयीन प्रकरणों की स्थिति सुधारने के लिए ई-कोर्ट प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।पीएम स्वनिधि योजना के निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने,नगरीय क्षेत्रों में अवैध प्लांटिंग को रोकने तथा शहर को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए अनावश्यक पोल और सभी प्रकार के होर्डिंग्स को हटाने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने जलशक्ति अभियान के तहत सभी जल स्त्रोतों को समय पर अपलोड करने का निर्देश नगरीय निकाय,ग्राम पंचायत,वन विभाग एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। इसके अलावा पीवीटीजी के पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड पंजीयन तथा पीवीसी कार्ड वितरण को शत-प्रतिशत बनाने को कहा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत वर्ष 2024-25 में स्वीकृत संविदा पदों की भर्ती शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध ढंग से कार्य करें, ताकि जिले की सभी योजनाओं और सेवाओं का अधिकतम लाभ जनता तक समय पर पहुंच सके। बैठक में सभी विभागों को लक्ष्य निर्धारित कर समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

अवैध रेत उत्खनन पर की गई कार्रवाई: 1 चैन माउंटेन व 2 ट्रैक्टर जब्त

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में राजस्व एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए तहसील चांपा के हनुमान धारा व तहसील पामगढ़ के ग्राम देवरघटा के क्षेत्र में जांच की गई। जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान रेत उत्खनन में लगे हनुमान धारा चांपा में 1 चैन माउंटेन एवं देवरघटा घाट में अवैध रूप से रेत का परिवहन करते पाये जाने पर 2 ट्रैक्टर को जब्त किया गया। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण पर प्रभावी नियंतत्रण हेतु जिला स्तरीय उडनदस्ता दल द्वारा लगातार जांच कर कार्यवाही की जा रही है। खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण करने वालो के विरूद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत कार्यवाही की जाएगी।

लोरमी पुलिस द्वारा मेडिकल एजेंसी में चोरी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार, चोरी गया सामान बरामद

एक विधि से संघर्षरत बालक भी घटना में शामिल

मुंगेली(समय दर्शन)। मुंगेली वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) के निर्देशानुसार जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अति.पुलिस अधीक्षक सुश्री नवनीत कौर छाबड़ा एवं उप पुलिस अधीक्षक श्री हरविन्दर सिंह के मार्गदर्शन मे थाना लोरमी पुलिस द्वारा मेडिकल एजेंसी में हुई चोरी के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। प्रार्थी मुकेश कुमार कश्यप निवासी वार्ड क्रमांक 13 लोरमी द्वारा थाना लोरमी में लिखित आवेदन प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 05.03.2026 की सुबह लगभग 09.00 बजे जब वह अपना नया बस स्टैंड लोरमी स्थित मेडिकल एजेंसी पहुँचे तो देखा कि दुकान का ताला टूटा हुआ था तथा दुकान से ऋष्ट च्यस्न्स के कफसिरप का एक कार्टून (कुल 96 नग) अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना लोरमी में अपराध क्रमांक 97/2026 धारा 305 (ए), 331(4) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। फुटेज के आधार पर दो संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान रिकु कश्यप (उम्र 20 वर्ष) निवासी कंकालीन पारा, वार्ड क्रमांक 04 लोरमी तथा एक विधि से संघर्षरत बालक के रूप में हुई। जिसे लोरमी पुलिस द्वारा आरोपी रिकु कश्यप को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसने उक्त बालक के साथ मिलकर मेडिकल एजेंसी से कफसिरप चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी गया 96 नग कफ सिरप बरामद कर आरोपी रिकु कश्यप पिता विजेन्द्र कश्यप उम्र 20 वर्ष निवासी कंकालीन पारा वार्ड क्रमांक 04 लोरमी को दिनांक 09.03.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। वहीं घटना में शामिल विधि से संघर्षरत बालक का सामाजिक पारिवारिक पृष्ठभुमि भरकर किशोर न्याय बोर्ड की प्रक्रिया अनुसार कार्यवाही की गई है।

पुर्व आपराधिक रिकार्ड:- आरोपी रिंकु कश्यप निवासी कंकालीनपारा लोरमी थाना क्षेत्र का गैंग हिस्ट्रीशीटर है आरोपी रिंकु व अपचारी बालक लोरमी मे हुये पुर्व हत्या मे आरोपी है जमानत मिलने पश्चात् नशा करने के उद्देश्य से किये चोरी जिस पर लोरमी पुलिस का प्रहार, मुंगेली पुलिस की अपील है कि अवैध गतिविधियां करने वाले व्यक्तियों की त्वरित सूचना देवें और अधिक से अधिक सीसीटीवी फुटेज लगावें।

उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक अखिलेश कुमार वैष्णव थाना प्रभारी लोरमी, उपनिरी.मानसिंह, प्र.आर.शेषनारायण कश्यप, आर. राजु साहू, ईश्वर नेताम, रेखराम नेताम, सैनिक कुलदीप सिंह की अहम भुमिका रही।

तहसीलदार एन. किशोर सिन्हा का सराहनीय कदम, अब पटवारी और पक्षकार होंगे आमने-सामने

टारजन महेश

सारँगढ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। नवाचार से बदलेगी सारँगढ तहसील की तस्वीर शुक्रवार समीक्षा एवं जनसुनवाई (फेस-टू-फेस) सप्ताह का सबसे महत्वपूर्ण दिन शुक्रवार होगा। इस दिन तहसीलदार स्वयं समीक्षा बैठक करेंगे, जिसमें पटवारी अक्सर देखा जाता है कि सीमांकन और राजस्व संबंधी कार्यों के लिए किसानों को हफ्तों तक तहसील और पटवारियों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इस समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए सारँगढ तहसीलदार एन. किशोर सिन्हा ने एक नई कार्ययोजना लागू की है। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य राजस्व कार्यों में तेजी लाना है। सोमवार पटवारी मुख्यालय में उपस्थिति पटवारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे सोमवार को अपने निर्धारित मुख्यालय (हल्का) में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। इससे ग्रामीणों को अपने छोटे-मोटे कार्यों के लिए शहर या तहसील कार्यालय नहीं दौड़ना पड़ेगा।

खेतों की मेढ़ और सीमाओं से जुड़े विवादों को सुलझाने के लिए बुधवार का दिन 'सीमांकन' के लिए आरक्षित किया गया है। इस दिन राजस्व टीम मौके पर जाकर लंबित मामलों का निपटारा करेगी।

और पक्षकार (किसान) आमने-सामने बैठेंगे। यदि किसी किसान की शिकायत है कि उसका काम जानबूझकर रोका गया है, तो पटवारी को वहीं जवाब देना होगा।

किसानों में खुशी की लहर

क्षेत्र के किसानों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक बताया है। किसानों का कहना है कि पटवारियों की उपलब्धता सुनिश्चित होने से समय की बचत होगी। आमने-सामने की सुनवाई से बिचौलियों का प्रभाव खत्म होगा। लंबित सीमांकन के मामलों में अब तेजी आएगी।

एन किशोर सिन्हा -तहसीलदार का संदेश प्रशासन का लक्ष्य जनता की सेवा करना है। राजस्व संबंधी कार्यों में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शुक्रवार की जनसुनवाई का उद्देश्य पारदर्शिता लाना है ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति अपने अधिकार से वंचित न रहे।

संक्षिप्त-खबर

शुरुआती गर्मी में गहराया जल संकट, तालाब-हैंडपंप सूखने की कगार पर

पाटन (समय दर्शन)। क्षेत्र के उत्तर पाटन में गर्मी की शुरुआत के साथ ही जल संकट गहराने लगा है। हालात यह हैं कि गांवों के तालाब, हैंडपंप और किसानों के खेतों में लगी मोटर पंप धीरे-धीरे जवाब देने लगी हैं। जल स्तर तेजी से नीचे चला जाने के कारण ग्रामीणों और किसानों को पानी के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ समय से भूजल स्तर लगातार गिरता जा रहा है। कई स्थानों पर हैंडपंपों से पर्याप्त पानी नहीं निकल पा रहा है, वहीं खेतों में लगी मोटर पंप भी ठीक से पानी नहीं दे रही हैं। इससे किसानों की खेती पर भी असर पड़ने लगा है। विशेष रूप से सब्जी और धान की खेती करने वाले किसानों के सामने सिंचाई की समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों और किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि तांदुला नहर से जल्द पानी छोड़ा जाए ताकि क्षेत्र के तालाबों में पानी भर सके। उनका कहना है कि यदि नहर से पानी छोड़ा जाता है तो तालाब भरने से आसपास के क्षेत्रों का जलस्तर बढ़ेगा और हैंडपंप व बोरवेल में भी पानी की उपलब्धता बेहतर हो सकेगी। किसानों का मानना है कि नहर का पानी तालाबों में पहुंचने से उन्हें सिंचाई के लिए राहत मिलेगी। इससे सब्जी और धान की खेती करने वाले किसानों को काफी फायदा होगा और आने वाले दिनों में संभावित जल संकट से भी बचाव हो सकेगा।

ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द इस दिशा में कदम उठाने की मांग की है, ताकि गर्मी के बढ़ने से पहले ही पानी की समस्या का समाधान किया जा सके और क्षेत्र के लोगों को राहत मिल सके।

छत्तीसगढ़ ठेठवार (यादव) समाज पाटन राज का वार्षिक सम्मेलन 15 मार्च को, मंत्री गजेंद्र यादव होंगे मुख्य अतिथि, समाज के प्रतिभाओं का किया जाएगा सम्मान

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ ठेठवार (यादव) समाज पाटन राज का वार्षिक सम्मेलन 15 मार्च 2026, रविवार को ग्राम तर्रा (लोहरसिंग) स्थित लताकुंज परिसर में आयोजित किया जाएगा। समाज के पाटन राज मीडिया प्रभारी बलराम यादव ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी समाज का वार्षिक सम्मेलन तर्रा की पावन धरा पर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई है।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 10 बजे आराध्य देव भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ होगी। इसके बाद 10:30 बजे अतिथियों का स्वागत एवं उद्बोधन होगा। प्रातः 11 बजे समाज के अध्यक्ष द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन का वाचन किया जाएगा। दोपहर 12 बजे पुरस्कार वितरण कार्यक्रम रखा गया है, जबकि दोपहर 1 बजे भोजन सत्र आयोजित होगा। दोपहर 2 बजे खुला मंच और दोपहर 3 बजे सामाजिक प्रक्रिया पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम का समापन शाम 5 बजे आभार प्रदर्शन, प्रसाद वितरण के साथ होगा। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ ठेठवार समाज के अध्यक्ष गुलेन्द्र यादव करेंगे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश (निक्की) भाले, जनपद सदस्य पाटन संतोषी ठाकुर तथा ग्राम पंचायत तर्रा के सरपंच विपीन चंद्राकर उपस्थित रहेंगे।

समाज के पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों एवं क्षेत्रवासियों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर सम्मेलन को सफल बनाने की अपील की है।

द्रोण पटेल को जिला प्रशिक्षण प्रमुख की सौंपी गयी जिम्मेदारी

महासमुन्द (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा महासमुन्द जिले का संगठनात्मक विस्तार करते हुए नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव और प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय की सहमति तथा भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकारिया के अनुमोदन के बाद यह घोषणा की गई। भाजपा जिला अध्यक्ष येतराम साहू की अनुशंसा पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष अमन वर्मा नें जिला महासमुन्द की नवीन ज़िला पदाधिकारी,एवं युवा मोर्चा क़े विभिन्न प्रकल्पों क़े पदाधिकारियों की घोषणा की गई हैं। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में भाजयुमो महासमुंद ने द्रोण पटेल को जिला प्रशिक्षण प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।द्रोण पटेल छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छत्तीसगढ़ (एबीवीपी) से लंबे समय तक संगठन में सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं, और संगठन में पूर्व महाविद्यालय इकाई सहप्रमुख,एबीवीपी ज़िला कार्यकारणी सदस्य,एबीवीपी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य,अमृतमहोत्सवी विस्तारक,इत्यादि महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं।वर्तमान में शाला विकास प्रबंधन समिति ग्राम बी.के.बाहरा के अध्यक्ष हैं। एबीवीपी से निकलकर उन्होंने युवामोर्चा में सक्रिय राजनीति के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई है। संगठनात्मक गतिविधियों में उनकी सक्रियता, युवाओं के बीच मजबूत पकड़ और समर्पण को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है।द्रोण पटेल नें कहा कि भारतीय जनता पार्टी संगठन एवं शीर्ष नेतृत्व द्वारा भारतीय जनता युवा मोर्चा, जिला महासमुंद के जिला प्रशिक्षण प्रमुख की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने पर हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

20 साल पुरानी समस्या होगी दूर, भवरचुवा-मधुबन से डोंगरीपाली मार्ग पर 6 करोड़ से बनेगा पुल

भवरचुवा-मधुबन से डोंगरीपाली मार्ग पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण हेतु 6 करोड़ स्वीकृत

बसना (समय दर्शन)। जनपद पंचायत बसना अंतर्गत ग्राम भवरचुवा मधुबन से डोंगरीपाली को जोड़ने वाला मार्ग सरसिवा और सरायपाली को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है।

लंबे समय से अधूरे कार्य और नाले पर पुल निर्माण नहीं होने के कारण क्षेत्रवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। यह सड़क लगभग 20 वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाई गई थी, लेकिन बीच में पड़ने वाले नाले पर पुल का निर्माण नहीं हो पाने से विशेषकर बरसात के समय आवागमन बाधित हो जाता था।

क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण समस्या को देखते हुए संचार एवं संकर्म के सभापति एवं क्षेत्र की जनपद सदस्य श्रीमती मीरा ऋषिकेश पटेल ने सभापति प्रकाश सिन्हा के सहयोग एवं मार्गदर्शन में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर इस कार्य को बजट में शामिल कराने के लिए पहल की।

जिस पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए राज्य सरकार द्वारा बजट में 6 करोड़ रुपये की राशि भवरचुवा मधुबन से डोंगरीपाली पहुंच मार्ग के निर्माण तथा नाले पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण के लिए स्वीकृत की गई है। इस स्वीकृति से क्षेत्र के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है और उन्होंने राज्य सरकार एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

हसौद क्षेत्र में फर्जी अस्पतालों का गोरखधंधा, इलाज के नाम पर गरीबों से की जा रही मनमानी वसूली

हसौद (सक्ती)। सक्ती जिले के हसौद क्षेत्र में फर्जी अस्पतालों, अवैध क्लिनिकों और झोलाछाप डॉक्टरों का गोरखधंधा लगातार फैलता जा रहा है। बिना मान्यता और आवश्यक दस्तावेजों के संचालित हो रहे ये निजी अस्पताल गरीब और ग्रामीण लोगों की जान से तो खिलवाड़ कर ही रहे हैं, साथ ही इलाज के नाम पर उनसे मनमानी और अत्यधिक राशि वसूल कर आर्थिक शोषण भी कर रहे हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र के कई निजी अस्पताल और क्लिनिक नर्सिंग होम एक्ट के तहत आवश्यक पंजीकरण, डॉक्टरों की वैध डिग्री, प्रशिक्षित स्टाफ और बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं के बिना ही संचालित किए जा रहे हैं। इन अस्पतालों में न तो इलाज की कोई रेट लिस्ट प्रदर्शित की गई है और न ही शुल्क का कोई निर्धारित मानक अपनाया जा रहा है। मरीजों से बीमारी की गंभीरता बताकर हजारों रुपये वसूले जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि गरीब मरीजों को मामूली इलाज के नाम पर भी बड़ी रकम का बिल थमा दिया जाता है, जबकि कई मामलों में बिना उचित जांच और योग्य डॉक्टर के इलाज किया जा रहा है। शिकायतें सामने आने के बाद जब जिला स्तर के अधिकारी जांच के लिए पहुंचते हैं, तो कार्रवाई के बजाय केवल औपचारिकता निभाई जाती है और कथित तौर पर लेन-देन कर मामलों को दबा दिया जाता है। हसौद क्षेत्र के पत्रकारों द्वारा इस मुद्दे को उजागर किए जाने के बाद अधिकारियों की दबिश जरूर हुई, लेकिन अब तक किसी फर्जी अस्पताल या झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। इससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह पूरा गोरखधंधा पिछले कई वर्षों से चल रहा है, जिसमें अस्पताल संचालकों, फर्जी डॉक्टरों और कुछ जिम्मेदार अधिकारियों की सांठगांठ की आशंका जताई जा रही है।

अब क्षेत्र की जनता मांग कर रही है कि प्रशासन तत्काल सभी निजी अस्पतालों और क्लिनिकों की निष्पक्ष जांच कर अवैध रूप से संचालित संस्थानों को सील करे और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करे।

इंस्पायर अवार्ड मानक के लिए बसना के 20 इनोवेटिव आइडिया का हुआ चयन

जिला शैक्षिक एवं विज्ञान परिषद् महासमुन्द के बसना ब्लॉक नोडल प्रेमचन्द साव के नेतृत्व में हुआ चयन

बसना (समय दर्शन)। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इंस्पायर अवार्ड की सूची जारी की गई, जिसमें बसना विकासखंड से 20 छात्र छात्र-छात्राओं का चयन विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे, सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कँवर, विकास खंड स्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव एवं जिला शैक्षिक एवं विज्ञान परिषद् महासमुन्द के बसना ब्लॉक नोडल प्रेमचन्द साव के नेतृत्व में हुआ। चयनित नवाचारी प्रोजेक्ट को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय से प्रति छात्र दस हजार रुपए जारी किए गए हैं।इस तरह से बसना विकासखण्ड से चयनित सभी छात्रों को कुल मिलाकर दो लाख रुपए जारी किए गए हैं। प्रतिवर्ष भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा स्कूली छात्र छात्राओं को इनोवेटिव आइडिया हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से इंस्पायर अवार्ड मानक का आयोजन किया जाता है।

प्रोजेक्ट,इनोवेटिव आइडिया के लिए बसना से इन छात्र-छात्राओं का चयन

बसना विकास खंड से छठवीं से बारहवीं तक के छात्र छात्राओं के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया था। इसमें बसना विकास खंड से शासकीय पूर्व माध्यमिक शालाओं में अरेकेल से पल्लवी सिदार,मुनगाडीह से रितु लहरे,अंकोरी से करन डड़सेना व पायल निषाद,ढूटीकोना से बबिता चौहान व हेमलता सिदार,दुलारपाली से बबली जायसवाल,प्रिंस साहू व बिपाशा चौहान,उमरिया से संतोषी दीवान,माधोपाली से समीर कुमार भारती,कन्या शाला बड़े साजापाली से नेहा साहू,लोहड़ीपुर से सुधांशु मोहंती,बरपेलाडीह से अमित बाघ, सलखंड से अंशिका सिदार, शासकीय हाई स्कूल ढूटीकोना से वेदिका साहू, शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसना से तान्या साहू,हाई स्कूल खोगसा से लता दीवान,कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसना से भूमिका साव व रूखमणी का चयन जिला शैक्षिक एवं विज्ञान परिषद् महासमुन्द के बसना ब्लॉक नोडल प्रेमचन्द साव के नेतृत्व में चयनित हुए हैं। चयनित छात्र छात्राओं द्वारा प्राप्त अवार्ड की राशि दस हजार में से अपने नवाचारी प्रोजेक्ट व आइडिया को प्रोटोटाइप में बदलने का कार्य करेंगे ?और जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में अपनी अपनी प्रस्तुति देंगे जहाँ से आगे चयनित होने पर विभाग द्वारा राष्ट्रीय प्रदर्शनी तक पहुंचने पर पेटेंट एवं स्टार्ट अप हेतु सहयोग एवं तकनीकी मार्गदर्शन दिया जाता है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26